मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, मंगलवार, 30 जून 2026

संवत 2083, अषाढ़ कृष्ण पक्ष 01 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 286 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ जाति, धर्म और आरक्षण

हूल दिवस पर शहीदों को नमन ◂◂ 6

हूल दिवस : मुख्यमंत्री ने वीर शहीदों को किया नमन

क्रांति की चिंगारी कभी नहीं बुझती : मुख्यमंत्री

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज हूल दिवस के अवसर पर रांची के मोरहाबादी स्थित सिदो-कान्हू पार्क पहुंचे और अमर शहीद सिदो-कान्हू मुर्मू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान उन्होंने वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सीएम ने कहा कि आज का दिन उन महान योद्धाओं को याद करने का है, जिन्होंने शोषण और अन्याय के खिलाफ बिना परिणाम की चिंता किए संघर्ष का बिगुल फूंका। उन्होंने कहा कि सिदो-कान्हू, चांद और भैरव ने देश और समाज पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध जो आंदोलन शुरू किया, उसकी चिंगारी आज भी जल रही है। यही संघर्ष आगे चलकर व्यापक जनआंदोलन का रूप बना और देश को नई दिशा मिली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इतिहास गवाह है कि हर बड़ी क्रांति की शुरूआत कमजोर और शोषित वर्गों से होती है। झारखंड वीर सपूतों की धरती है और इन्हीं शहीदों के बलिदान के कारण राज्य को वीरभूमि के रूप में पहचान मिली है। उन्होंने लोगों से शहीदों के आर्दशों पर चलने और न्याय, समानता और स्वाभिमान की लड़ाई को आगे बढ़ाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हूल दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध निरंतर संघर्ष की चेतना है। जब-जब दमन और शोषण बढ़ेगा, तब-तब आंदोलन की मशाल जलती रहेगी। उन्होंने कहा कि कई ताकतें इस चिंगारी को बुझाने का प्रयास करती हैं, लेकिन वीर शहीदों के बलिदान से प्रज्वलित यह लौ कभी बुझ नहीं सकती। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी झारखंड और देश के लोग इन शहीदों के आर्दशों को साथ लेकर आगे बढ़ते रहेंगे। आदिवासी समाज सहित पूरा राज्य आज हूल दिवस पर अपने वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक याद कर रहा है।

हूल दिवस पर राज्यपाल ने सिदो-कान्हू को किया नमन

रांची: राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज 'हूल दिवस' के अवसर पर लोक भवन, राँची में हूल क्रांति के अमर महानायक सिदो-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल महोदय ने कहा कि हूल क्रांति भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास का एक गौरवशाली अध्याय है। सिदो-कान्हू, चाँद-भैरव, फूलो-झानो सहित हूल आंदोलन के सभी वीर सेनानियों ने अन्याय, शोषण एवं औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध अदम्य साहस का परिचय दिया। उनका त्याग, संघर्ष और राष्ट्रप्रेम सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

जमीन विवाद में गिरिडीह के सब-रजिस्ट्रार की हत्या

रांची/मेट्रो रेज : रामगढ़ जिले में पदस्थापित गिरिडीह के सब-रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। वारदात मांडू थाना क्षेत्र के बालसेग्रा गांव में हुई, जहां प्रारंभिक जांच में जमीन विवाद को हत्या की वजह माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, बालेश्वर पटेल हूल दिवस की छुट्टी के अवसर पर अपने पैतृक गांव आए हुए थे। मंगलवार सुबह वह विवादित जमीन देखने पहुंचे थे। इसी दौरान जमीन को लेकर उनका कुछ लोगों से विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद हिंसक हो गया और उन पर पत्थर से हमला कर दिया गया। गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही मांडू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। रामगढ़ पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला जमीन विवाद से जुड़ा प्रतीत होता है। सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है और घटना में शामिल आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

डबल मर्डर से दहला देवघर

अज्ञात अपराधियों ने मां बेटे का काट डाला गला

- कुछ साल पहले पति की भी हुई थी हत्या

संवाददाता

देवघरः जिले के सोनाराठाड़ी प्रखंड अंतर्गत नावाडीह पंचायत में मंगलवार अहले सुबह एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। अज्ञात अपराधियों ने घर में सो रही एक महिला और उसके 14 वर्षीय बेटे की धारदार हथियार से गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी। घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। वहीं, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर स्थानीय थाना पुलिस के साथ जिले के एसपी प्रवीण पुष्कर भी घटनास्थल पहुंचे और मामले की गहन जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाते हुए आसपास के लोगों से पूछताछ की।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान रुबिदा खातून और उनके 14 वर्षीय पुत्र मुशर्रफ उर्फ छोटू के रूप में हुई है। प्रथम दृष्टया मामला सुनियोजित हत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। मौके पर पहुंचे एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि पूछताछ के दौरान जानकारी मिली है कि कुछ वर्ष पहले मृतका के पति रियाज अंसारी की भी हत्या हुई थी, जिसमें पांच लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई जा चुकी है।

हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वर्तमान घटना का पुराने हत्याकांड से कोई संबंध है या नहीं। पुलिस इस पहलू की भी गंभीरता से जांच कर रही है और यदि दोनों मामलों के बीच कोई कड़ी मिलती है तो उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इधर, इस दोहरे हत्याकांड के बाद परिजनों में आक्रोश है।

उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि इस जघन्य अपराध में शामिल सभी आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए। फिलहाल पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच जारी है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

पलामूः तांत्रिक के कहने पर राख खा रहा था पूरा परिवार, 10 दिन में पांच लोगों की मौत, हड़कंप

संवाददाता

पलामू/रांची : पलामू जिले में 10 दिनों के भीतर एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत के मामले में शुरूआती जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, बीमार होने पर परिवार के लोग नियमित चिकित्सा के बजाय झाड़-फूंक पर भरोसा कर रहे थे और कथित तौर पर ओझा के कहने पर राख का सेवन कर रहे थे। डॉक्टरों को आशंका है कि इसी वजह से उनकी तबीयत लगातार बिगड़ती गई। हालांकि, मौत के वास्तविक कारण का पता लगाने के लिए विसरा और अन्य नमूनों की जांच कराई जा रही है। यह मामला पड़वा प्रखंड के सिक्का गांव का है।

जानकारी के अनुसार, परिवार के मुखिया कुलदीप महतो की 19 जून को मौत हुई थी। अगले दिन उनकी बेटी ने भी दम तोड़ दिया। इसके बाद परिवार के अन्य सदस्य इलाज के साथ-साथ लेस्लीगंज के पूणार्डीह इलाके में झाड़-फूंक कराने जाते रहे। इसी दौरान कथित तौर पर वे राख का भी सेवन करते रहे। इसके बाद 26 जून को कुलदीप महतो की दूसरी बेटी इंदु कुमारी की मौत हो गई। 28 जून को बहू श्वेता कुमारी और 29 जून को बेटे नकुल महतो की भी इलाज के दौरान रांची स्थित रिम्स में मौत हो गई। इस तरह दस दिनों के भीतर परिवार के पांच सदस्यों की जान चली गई। परिवार के तीन अन्य सदस्य, जिनमें कुलदीप महतो की

पत्नी लाखो देवी, एक बेटा और एक पोता शामिल हैं, फिलहाल रिम्स में भर्ती हैं। चिकित्सकों के अनुसार, सभी मरीजों में शरीर में सूजन आने के बाद हालत तेजी से बिगड़ने की शिकायत सामने आई है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सिक्का गांव और पूणार्डीह पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। टीम ने उस राख के नमूने एकत्र किए हैं, जिसके सेवन की बात सामने आई है। इसके अलावा परिवार द्वारा उपयोग किए गए खाद्य पदार्थों और अन्य संभावित कारणों की भी जांच की जा रही है।

पलामू के सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि परिवार के लोगों को कई बार अस्पताल में उपचार कराने की सलाह दी गई थी, लेकिन वे चिकित्सा के साथ झाड़-फूंक का भी सहारा लेते रहे। राख खाने की जानकारी मिलने के बाद उसके नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में सभी मृतकों का विसरा सुरक्षित रख लिया गया है और उसे फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। जांच पूरी होने के बाद ही मौतों के वास्तविक कारण की पुष्टि हो सकेगी।

न्यूज IN ब्रीफ

हेरुआ नदी से मिला लापता युवक का शव, पैर फिसलकर डूबने से मौत की आशंका

चतरा : जिले के सदर थाना क्षेत्र से आज तड़के एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। यहाँ हेरुआ नदी से एक लापता युवक का शव मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है और उनका रो-रोकर बुरा हाल है। इलाके में भी इस घटना से मातम पसरा है। मृतक की पहचान सदर थाना क्षेत्र के नगवा मुहल्ला निवासी 40 वर्षीय अजीत कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, अजीत सोमवार की सुबह हेरुआ डैम की तरफ शौच के लिए निकला था, लेकिन लौटकर नहीं आया। आज अहले सुबह छोटे भाई कृष्ण ने हेरुआ नदी में उसका शव देखा। परिजनों ने फिलहाल किसी साजिश से इनकार किया है। उनका मानना है कि खराब मौसम के कारण नदी का जलस्तर बढ़ गया था और शायद शौच के दौरान डैम किनारे पैर फिसलने से युवक गहरे पानी में डूब गया। सदर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया है और पोस्टमार्टम के लिए चतरा सदर अस्पताल भेज दिया है। थाना प्रभारी का कहना है कि परिजनों की लिखित शिकायत के आधार पर ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बाइकर्स की चपेट में आने से 5 वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत, दो धराया

चतराः सदर थाना क्षेत्र से एक बेहद दर्दनाक और आक्रोशित करने वाली खबर आई। सदर थाना क्षेत्र के नूनगांव में तेज रफ्तार बाइकर्स ने सड़क किनारे खड़े एक 5 वर्षीय मासूम को कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान चंगेर गांव निवासी अरुण कुमार राम के 5 वर्षीय पुत्र सत्यम के रूप में हुई है। बच्चे के दादा ने बताया कि दो तेज रफ्तार बाइकर्स ने एक के बाद एक सत्यम को जोरदार टक्कर मारी। आनन-फानन में बच्चे को सदर अस्पताल लाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने एक बाइक और दो आरोपियों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। सदर थाना प्रभारी अवधेश सिंह ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में ले लिया है और परिजनों की लिखित शिकायत के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बच्चे का पोस्टमार्टम आज सुबह किया गया।

बीएसओ के ढुलमुल रवैये से महिला उपभोक्ता को न्याय नहीं

मुरीः डीलर संतोष कुमार साव लाइसेंस नंबर 02-08 और उसके कर्मी सुफल पौद्धार के अभ्रद्र और अपमानजनक रवैये को लेकर रिंकी कुमारी राशनकार्ड धारी नंबर 202801408742 ने दो बार बीएसओ सिल्ली को आवेदन दिया। सिल्ली प्रखंड कार्यालय में बीएसओ ने अपने डीलर संतोष कुमार साव का बचाव करते हुए उसके बचने का रास्ता सफ कर दिया। जबकि उपभोक्ता द्वारा दिए गए अभद्र रवैया पर ही लाइसेंस जब्त हो जाना चाहिए था या उसे उचित दंड दिया जाना चाहिए था। डीलर के पक्ष में बीएसओ उपभोक्ताओं को दूसरी जगह से राशन लेने को बाध्य कर रहा था। बीएसओ और डीलर में सांठ- गांठ साफ दिखाई पड़ रही थी। समाज में ऐसे डीलर को रहने का क्या अधिकार है जो आवश्यकता से अधिक अपमान जनक बात करता हो।

यूएमएस लेढ़ो में अभिभावक-शिक्षक बैठक संपन्न

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय लेढ़ो में सोमवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक राज्य परियोजना निदेशक, झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची के ज्ञापांक संख्या 2578 दिनांक 25 जून 2026 के आलोक में आयोजित की गई।बैठक का आयोजन सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार यादव ने की, जबकि संचालन प्रधानाध्यापक इंद्रदेव यादव ने किया।बैठक में पंचायत समिति सदस्य संतोष कुमार भारती, विद्यालय के पोषक क्षेत्र के दर्जनों अभिभावक, विद्यालय प्रबंधन समिति, माता समिति के सदस्य तथा शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।इस दौरान विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यालय की गतिविधियों, अभिभावकों की सहभागिता एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।अभिभावकों से बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने, नियमित रूप से विद्यालय भेजने तथा विद्यालय के साथ समन्वय बनाए रखने की अपील की गई।बैठक का उद्देश्य विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर संवाद स्थापित कर विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति को और मजबूत बनाना रहा।

गिद्धौर के द्वारी कोल साइडिंग में विवाद

चतराः गिद्धौर थाना क्षेत्र के द्वारी कोल साइडिंग के संचालन को लेकर क्षेत्र में वर्चस्व की लड़ाई तेज हो गई है। साइडिंग के लिए एक साथ दो कांटा घर (वेटब्रिज) बनाए जाने के बाद आसपास के गांवों के लोग दो गुटों में बंट गए हैं। दोनों पक्ष अपने-अपने कांटा घर से कोयला डंपिंग कार्य शुरू कराने के प्रयास में जुटे हैं।आपको बताते चलें कि द्वारी रेलवे स्टेशन को डंपिंग यार्ड के रूप में विकसित किया गया है। जहां से एनटीपीसी के लिए कोयले की ढुलाई होनी है। ग्रामीणों का आरोप है कि नियमों की अनदेखी कर एक साथ दो कांटा घर का निर्माण और सेटअप किया गया। जिससे विवाद की स्थिति उत्पन्न हुई। एक गुट युवाओं की समिति के नाम पर सक्रिय है। जबकि दूसरे गुट में कई प्रभावशाली लोगों का समर्थन है। दोनों के बीच साइडिंग संचालन को लेकर लंबे समय से तनाव बना हुआ है। हाल ही में साइडिंग में कोयला गिराने को लेकर दोनों गुटों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। घटना के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र में तनाव को देखते हुए पुलिस प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

इटखोरी में विहिप-बजरंग दल की बैठक संपन्न

सेवा सप्ताह में 600 पौधरोपण व 5 मेडिकल कैंप का लक्ष्य

संवाददाता

चतरा : विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल, इटखोरी प्रखंड की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक सोमवार को संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में विश्व हिंदू परिषद के प्रांत सह मंत्री मनोज पोद्दार उपस्थित रहे। बैठक का शुभारंभ वैदिक परंपरा के अनुसार 'ॐ' के उच्चारण के साथ हुआ। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष श्री योगेश्वर साहू ने की।बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना तथा इटखोरी प्रखंड की सभी पंचायतों तक विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की संगठनात्मक समितियों का विस्तार करना था।बैठक को संबोधित करते हुए प्रांत सह मंत्री मनोज पोद्दार ने कहा कि संगठन की मजबूती का आधार गांव और पंचायत स्तर तक सक्रिय समितियां हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी दिनों में प्रत्येक पंचायत तक संगठन का विस्तार करने तथा अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 5 जुलाई से 12 जुलाई तक बजरंग दल द्वारा सेवा सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान निःशुल्क चिकित्सा शिविर, पौधरोपण, सेवा एवं जनजागरण जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में इटखोरी प्रखंड के कार्यकर्ताओं ने सेवा सप्ताह के दौरान पूरे प्रखंड में 600 पौधे लगाने तथा 5 निःशुल्क मेडिकल कैंप आयोजित करने का संकल्प लिया। साथ ही यह निर्णय लिया गया कि अगले 15 दिनों के भीतर प्रखंड की सभी पंचायतों में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की समितियों का गठन एवं विस्तार सुनिश्चित किया जाएगा।बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने, सेवा कार्यों को गति देने तथा समाज के प्रत्येक वर्ग तक संगठन की पहुंच बढ़ाने पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रांत विद्यार्थी प्रमुख अमित पासवान, जिला मंत्री सुधीर कुमार, बजरंग दल जिला संयोजक अंकित पांडे, जिला अर्चक-पुरोहित प्रमुख मनोज पांडे, प्रखंड अध्यक्ष योगेश्वर साहू सहित प्रखंड एवं पंचायत स्तर के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एसआईआर के सफल संचालन को लेकर स्वयंसेवकों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न

संवाददाता

चतरा : भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु 27 जून एवं 29 जून 2026 को जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण भवन हॉल चतरा में मतदान केंद्रों पर प्रतिनियुक्त स्वयंसेवकों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों को विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की कार्यप्रणाली, उद्देश्य एवं उनके दायित्वों की विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि विभागीय निदेर्शानुसार सभी स्वयंसेवक संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के साथ समन्वय स्थापित कर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में सहयोग प्रदान करेंगे तथा मतदाताओं को आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराएंगे।

प्रशिक्षकों द्वारा स्वयंसेवकों को गणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं अन्य जरूरतमंद मतदाताओं की सहायता, भरे हुए प्रपत्रों के संकलन तथा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदान केंद्रों पर प्रभावी ढंग से दायित्वों के निर्वहन के संबंध में विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान स्वयंसेवकों को निर्देशित किया गया कि वे अभियान के दौरान निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ कार्य करते हुए प्रत्येक पात्र मतदाता तक आवश्यक जानकारी पहुंचाएं तथा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में निर्वाचन कार्यालय के पदाधिकारी एवं कर्मी, मास्टर ट्रेनर, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सिमरिया तथा मतदान केंद्रों पर प्रतिनियुक्त स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

बिजली विभाग की लापरवाही से महिला की मौत,करंट की चपेट में आने से गई जान

संवाददाता

चतरा : सदर थाना क्षेत्र के ऊंटा गांव में आज तड़के बिजली की चपेट में आने से 45 वर्षीय मीणा देवी पति- नागेश्वर रजक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना सुबह करीब 11 बजे की बताई जा रही है। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मीणा देवी गांव के पास अमरूद के पेड़ के पास दतवन तोड़ रही थीं। इसी दौरान वह पोल से नीचे लटक रहे बिजली के तार की चपेट में आ गईं। बताया जा रहा है कि तार

में बिजली प्रवाहित हो रही थी, जिससे उन्हें जोरदार करंट लगा और वह मौके पर ही गिर पड़ीं। आसपास मौजूद ग्रामीण जब तक उन्हें बचाने के लिए पहुंचते, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस और बिजली विभाग को दे दी है। ग्रामीणों और परिजनों ने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि बिजली का तार लंबे समय से पोल से नीचे लटक रहा था और इसकी जानकारी विभाग को दी गई थी, लेकिन समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई। लोगों का कहना है कि यदि विभाग ने समय पर कार्रवाई की होती तो मीणा देवी की जान बच सकती थी। और मृतका के परिजनों ने उचित मुआवजा की मांग की है।

प्रमंडलीय आयुक्त पहुंचे चतरा, न्यायालय वादों, राजस्व व भू-अर्जन से संबंधित मामलों की समीक्षा

संवाददाता

चतराः उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग के प्रमंडलीय आयुक्त विजय कुमार गुप्ता सोमवार को एकदिवसीय दौरे पर चतरा पहुंचे। चतरा आगमन पर परिसदन परिसर में जिला पुलिस बल द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया। इस अवसर पर जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त रवि आनंद ने पौधा भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इसके उपरांत समाहरणालय सभागार में प्रमंडलीय आयुक्त की अध्यक्षता में ऑनलाइन कोर्ट मॉनिटरिंग सिस्टम के माध्यम से न्यायालयों में लंबित एवं निष्पादित वादों, राजस्व मामलों तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं से संबंधित भू-अर्जन एवं भू-हस्तांतरण प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त रवि आनंद सहित सभी अंचल अधिकारी, भूमि सुधार उपसमाहर्ता व अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान प्रमंडलीय आयुक्त ने न्यायालय वादों के निष्पादन की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए सभी लंबित मामलों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं विधिसम्मत निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय से संबंधित मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए

पूरी संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में म्यूटेशन, सक्सेशन म्यूटेशन, भूमि सीमांकन (लैंड डिमार्केशन), परिशोधन पोर्टल, कंटेंप्ट केस, सीपी ग्राम सहित विभिन्न राजस्व मामलों की अंचलवार समीक्षा की गई। प्रमंडलीय आयुक्त ने निर्देश दिया कि राजस्व संबंधी मामलों के निष्पादन में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए तथा सभी प्रकरणों का नियमित अनुश्रवण करते हुए समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए लंबित भू-अर्जन, भू-हस्तांतरण एवं लीज बंदोबस्ती से संबंधित मामलों की भी समीक्षा की। इस दौरान भारतमाला परियोजना, चतरा बाईपास, सिमरिया बाईपास, टोरी- शिवपुर नई बीजी रेल लाइन परियोजना, सोपारमझबरियातू एनएच-99 चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण तथा घंघरी से कौलेश्वरी तक पथ चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण सहित अन्य परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रमंडलीय आयुक्त ने अंचलवार जाति, आय एवं आवासीय प्रमाण-पत्रों के लंबित आवेदनों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को समय पर प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराना प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इस संबंध में प्राप्त होने वाली शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सभी लंबित आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। बैठक के दौरान अधिकारियों एवं कर्मियों की ऑनलाइन उपस्थिति की भी समीक्षा की गई। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को समय पर कार्यालय में उपस्थित होकर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनता दरबार एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों की प्रगति की समीक्षा करते हुए प्रमंडलीय आयुक्त ने जनशिकायत कोषांग पोर्टल पर दर्ज लंबित एवं निष्पादित मामलों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि जनशिकायतों का गंभीरतापूर्वक समयबद्ध निष्पादन किया जाए। साथ ही जनशिकायत कोषांग पोर्टल की प्रभावी कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए इसे जनसेवा की दिशा में सराहनीय पहल बताया। बैठक के अंत में प्रमंडलीय आयुक्त ने सभी पदाधिकारियों को मुख्यालय में रहकर उत्तरदायित्वपूर्ण ढंग से कार्य करने, विभागीय समन्वय बढ़ाने तथा जनहित से जुड़े सभी मामलों के त्वरित निष्पादन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त रवि आनंद, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया, जिला परिवहन पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, भूमि सुधार उपसमाहर्ता एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

झारखंड में एसआईआर आज से, 29 जुलाई तक घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ, भरेंगे फॉर्म

संवाददाता

रांची: 30 जून से 29 जुलाई तक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं को आंशिक रूप से भरे (प्री-फिल्ड) इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराएंगे और भरे हुए फॉर्म के साथ उनकी हाल की रंगीन फोटो भी लेंगे। झारखंड के करीब 1.63 करोड़ मौजूदा मतदाताओं को किसी तरह का दस्तावेज जमा नहीं करना होगा। उन्हें केवल प्री-फिल्ड फॉर्म का सत्यापन कर हस्ताक्षर के साथ जमा करना होगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रविकुमार ने बताया कि बीएलओ ने मतदाताओं की स्वयं और पैतृक मैपिंग का पहला चरण पूरा कर लिया है। इसके आधार पर जिन मतदाताओं की मैपिंग सही पाई गई है, उन्हें दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं होगी। केवल नवीनतम रंगीन फोटो और साइन किया हुआ फॉर्म देने के बाद उनका नाम प्रारूप और अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा।

एसआइआर से संबंधित मुख्य बातें

हर मतदाता को भरना होगा फॉर्म: हर मतदाता को अनिवार्य रूप से इन्यूमरेशन फॉर्म भर कर बीएलओ को जमा करना होगा। बीएलओ द्वारा दस्तावेजों की मांग केवल उन्हीं मामलों में होगी, जहां मैपिंग नहीं हो पाई हो या रिकॉर्ड में विसंगति पाई गई हो। अनमैप्ड मतदाताओं को इन्यूमरेशन फॉर्म के साथ चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित 11 दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज जमा करना होगा। इआरओ इन्यूमरेशन फॉर्म के साथ उपलब्ध कराये गए दस्तावेजों के आधार पर मतदाता का सत्यापन कर उसे मतदाता सूची के ड्राफ्ट में शामिल करेंगे।

अस्थायी रूप से बाहर रहने वालों को आने की जरूरत नहीं: मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि प्रवासी श्रमिकों, राज्य से बाहर पढ़ाई कर रहे छात्रों और अस्थायी रूप से बाहर रहने वाले लोगों को केवल मैपिंग के लिए व्यक्तिगत रूप से आने की जरूरत नहीं है। उनके परिवार के सदस्य अथवा इसीआइनेट के माध्यम से भी यह प्रक्रिया पूरी की जा सकती है।

एक ही विधानसभा क्षेत्र में रह सकता है नामः किसी भी व्यक्ति का नाम केवल एक विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में ही दर्ज हो सकता है। अगर किसी मतदाता का नाम दो स्थानों पर दर्ज है, तो उसे अपने सामान्य निवास वाले क्षेत्र में ही इन्यूमरेशन फॉर्म जमा करना होगा और दूसरे स्थान पर मिला फॉर्म बिना हस्ताक्षर लौटाना होगा।

पांच अगस्त को प्रकाशित होगी प्रारूप मतदाता सूची: निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पांच अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जायेगी। इसके बाद पांच अगस्त से चार सितंबर तक दावा एवं आपत्ति दर्ज करने का अवसर मिलेगा।

नये मतदाताओं को भरना होगा फॉर्म-6: जो लोग पहली बार मतदाता सूची में नाम जुड़वाना चाहते हैं, उन्हें बीएलओ फॉर्म-6 उपलब्ध करायेंगे। फॉर्म-6 के साथ निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 11 दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज जमा करना होगा।

अनमैप्ड मतदाताओं को देने होंगे ये दस्तावेज: अनमैप्ड मतदाताओं को चुनाव आयोग द्वारा मान्य 11 दस्तावेजों में से एक देना होगा। ये दस्तावेज जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, 10वीं कक्षा का प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर या राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) से संबंधित अभिलेख, सरकारी सेवा अभिलेख, भूमि या राजस्व अभिलेख, पारिवारिक वंशावली से संबंधित सरकारी अभिलेख, किसी सक्षम सरकारी प्राधिकारी द्वारा जारी पहचान या जन्म संबंधी प्रमाणित दस्तावेज हो सकते हैं।

विदेशी नागरिक तुरंत लौटाएं फॉर्म: विशेष गहन पुनरीक्षण केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए है। अगर किसी विदेशी नागरिक अथवा भारतीय नागरिकता छोड़ चुके व्यक्ति को इन्यूमरेशन फॉर्म मिलता है, तो उसे बिना हस्ताक्षर किए तत्काल बीएलओ को वापस करना होगा।

समय पर कराएं सत्यापन : शादाब खान

रांची: सामाजिक कार्यकर्ता और युवा कांग्रेस के महासचिव शादाब खान ने आम नागरिकों से अपील की है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे एसआईआर अभियान के तहत मतदाता सूची के सत्यापन कार्य को गंभीरता से लें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र मतदाता समय रहते अपने नाम की जांच करें, आवश्यक दस्तावेज जमा करें तथा अपने क्षेत्र के इछड से संपर्क कर सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करें। शादाब खान ने कहा कि आज की गई छोटी-सी सावधानी भविष्य में मतदान के अधिकार से वंचित होने जैसी बड़ी परेशानी से बचा सकती है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक का मतदाता सूची में नाम दर्ज होना और उसका सही सत्यापन होना अत्यंत आवश्यक है।उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं जागरूक बनें और अपने परिवार, मित्रों तथा आसपास के लोगों को भी मतदाता सूची सत्यापन के प्रति जागरूक करें, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित न रहे।

75 श्रद्धालुओं का जत्था पवित्र अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना

मेट्रो रेज

रांची: बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में इस वर्ष भी जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में रांची से 75 श्रद्धालुओं का जत्था पवित्र अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुआ। श्रद्धालुओं को परिजनों, सामाजिक संगठनों एवं स्थानीय लोगों ने शुभकामनाओं के साथ विदाई दी।

यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ के जयकारों के बीच अपने सफर की शुरूआत की। पूरे वातावरण में भक्तिमय माहौल देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने देश, राज्य और समाज की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना करते हुए बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए प्रस्थान किया।

यात्रा दल में शामिल श्रद्धालुओं ने बताया कि अमरनाथ यात्रा उनके जीवन की सबसे पवित्र और आस्था से जुड़ी यात्राओं में से एक है। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद बाबा बर्फानी के दर्शन का उत्साह हर वर्ष लाखों श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करता है।श्रद्धालुओं के सुरक्षित एवं सुगम सफर के लिए यात्रा से पूर्व आवश्यक तैयारियां पूरी की गईं। सभी यात्रियों ने निर्धारित स्वास्थ्य जांच, पंजीकरण और अन्य औपचारिकताएं पूरी करने के बाद यात्रा शुरू की।

गौरतलब है कि अमरनाथ यात्रा देश की सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक यात्राओं में से एक मानी जाती है, जिसमें हर वर्ष देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु बाबा बर्फानी के पवित्र हिमलिंग के दर्शन के लिए जम्मू-कश्मीर पहुंचते हैं।

निशुल्क एक्यूप्रेशर कैंप का उद्घाटन कल

रांची: श्री राम भारत मिलाप समिति द्वारा कल यानी 1 जुलाई को निशुल्क एक्यूप्रेशर कैंप का आयोजन किया जा रहा है । इस आयोजन की जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष रोहित शारदा ने बताया कि यह कैंप 15 दिनों तक लगातार सुबह 10:00 से 12:00 तक प्रत्येक माह दिनांक - 1 से 15 तक लगाया जाएगा। इस कैंप में डॉक्टर अभय बरनवाल अपनी सेवा प्रदान करेंगे । विभिन्न रोगों का उपचार नेचुरलपैथी से किया जाएगा जिसमें मेथी दाना,रंग एवं मैग्नेट का उपयोग किया जाएगा। यह निशुल्क कैंप डोरंडा थाना के समीप स्थित श्री राम भरत मिलाप कार्यालय डोरंडा बाजार में लगाया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री राम भरत मिलाप समिति के संरक्षक बीके विजय, सरदार अशोक सिंह , हरि प्रसाद विजय अध्यक्ष रोहित शारदा महामंत्री नम्रता सोनी कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम दास कार्यक्रम संयोजक महेश विजय,प्रिंस पांडे, ,प्रिया सिन्हा ,जितेंद्र बरनवाल, विवेक आर्य, राजीव केडिया, आशीष मंगल ,राघव शारदा, मीनू डांगी, डोली जैसवाल, अनूप बर्मन, शंभू गुप्ता,कुंदन सिन्हा , जयंत मजूमदार,सुजीत मालाकार, देवराज बर्मन नवनीत सिन्हा, नितेश गुप्ता , राजू पाल, देवाशीष घोष , गोपाल पाठक, योगेश दुबे, ऋषभ रामपुरिया, प्रमिला सराफ,खुशबू शारदा सहित अन्य सदस्य अपना योगदान दे रहे हैं। साथ ही मारवाड़ी युवा मंच रांची दक्षिण, सेवा विभाग माधव नगर, जागृति महिला शाखा, श्री शिव मंदिर महावीर मंदिर न्याय समिति भी सहयोगी संस्था कार्यक्रम में है। कैंप के निमित्त अधिक जानकारी के लिए 7677936901 पर कॉल कर संपर्क कर सकते हैं।

इस्लाहुल इराकीन कमेटी, इटकी का चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न

अकील अहमद सदर और हाजी मोइनुद्दीन सचिव निर्वाचित

मेट्रो रेज

रांची : इस्लाहुल इराकीन कमेटी, इटकी का चुनाव शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। मतदान के बाद शांतिपूर्ण ढंग से मतगणना कराई गई, जिसमें सदर पद के उम्मीदवार अकील अहमद को 253 मत प्राप्त हुए, जबकि सचिव पद के उम्मीदवार हाजी मोइनुद्दीन को 317 मत हासिल हुए। दोनों उम्मीदवारों को विजयी घोषित किया गया।

चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने नवनिर्वाचित सदर अकील अहमद एवं सचिव हाजी मोइनुद्दीन को फूल-मालाएँ पहनाकर तथा शुभकामनाएँ देकर बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

इस अवसर पर जमीयतुल उलेमा-ए-हिन्द, झारखंड के महासचिव शाह उमैर ने इस्लाहुल इराकीन कमेटी के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को हार्दिक मुबारकबाद पेश की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नई टीम के नेतृत्व में कमेटी शिक्षा, सामाजिक सेवा, धार्मिक गतिविधियों तथा जनकल्याण के क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति करेगी और समाज के बीच एकता एवं भाईचारे को और अधिक मजबूत बनाएगी।

14 साल पुरानी कानूनी लड़ाई का अंत हाईकोर्ट ने डीएनए टेस्ट से किया इनकार

मेट्रो रेज

रांची: एक वैवाहिक विवाद से जुड़े डीएनए टेस्ट मामले में पिछले 14 वर्षों से चल रही कानूनी लड़ाई का आखिरकार पटाक्षेप हो गया है। झारखंड हाईकोर्ट ने बच्चे का डीएनए टेस्ट कराने की मांग को खारिज करते हुए कहा कि जिस बच्चे के पितृत्व को लेकर विवाद था, वह अब वयस्क हो चुका है। ऐसे में उसकी सहमति के बिना डीएनए टेस्ट का आदेश नहीं दिया जा सकता।

जस्टिस अनुभा रावत चौधरी की एकल पीठ ने लखन कुमार मंडल द्वारा दायर रिट याचिका को खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता ने गिरिडीह फैमिली कोर्ट के दिसंबर 2011 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें डीएनए टेस्ट कराने की मांग अस्वीकार कर दी गई थी।

बच्चे के बालिग होने से बदला मामले का स्वरूपः अदालत ने अपने फैसले में कहा कि जब वर्ष 2010 में डीएनए टेस्ट की मांग की गई थी, तब संबंधित बच्चा करीब आठ वर्ष का था और उसकी मां कानूनी रूप से उसका प्रतिनिधित्व कर सकती थी। लेकिन याचिका पर अंतिम सुनवाई तक वह 24 वर्ष का वयस्क हो चुका था।

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि वयस्क होने के बाद मां उसकी ओर से डीएनए टेस्ट के लिए सहमति नहीं दे सकती। साथ ही, याचिकाकर्ता ने युवक को मामले में पक्षकार भी नहीं बनाया। ऐसी स्थिति में अदालत न तो उसे डीएनए टेस्ट कराने के लिए बाध्य कर सकती है और न ही उसके इनकार का प्रतिकूल प्रभाव उसकी मां पर डाला जा सकता है।

क्या है पूरा मामला: मामले के अनुसार, लखन कुमार मंडल की शादी 12 जुलाई 2000 को फूलमती देवी से हुई थी। लखन जनवरी 2001 से अप्रैल 2002 तक सूरत में कार्यरत था। घर लौटने पर उसने अपनी पत्नी को गर्भवती पाया और पितृत्व को लेकर संदेह जताते हुए व्यभिचार का आरोप लगाया।

बच्चे के जन्म के लगभग छह वर्ष बाद, वर्ष 2008 में लखन ने तलाक का मुकदमा दायर किया। गवाहों के बयान दर्ज होने के बाद वर्ष 2010 में उसने डीएनए टेस्ट कराने के लिए आवेदन दिया, जिसे फैमिली कोर्ट ने 2011 में खारिज कर दिया।

इसके बाद वर्ष 2012 में झारखंड हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की गई। हालांकि, मामला वर्षों तक लंबित रहा और अंतिम निर्णय आने तक बच्चा वयस्क हो चुका था। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने डीएनए टेस्ट कराने की मांग को अस्वीकार करते हुए याचिका खारिज कर दी।

मरम्मत कार्य के कारण जुमार पुल से दो दिन जलापूर्ति रहेगी बाधित

रांची : राजधानी रांची के निवासियों के लिए एक जरूरी सूचना है। अगले दो दिनों तक शहर की 80 फीसदी आबादी को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ेगा। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा जारी की गई सूचना के अनुसार, शहर के अधिकांश इलाकों में जलापूर्ति प्रभावित रहेगी।

पाइप लाइन में मरम्मत के कारण लिया गया निर्णयः पेयजल एवं स्वच्छता स्वणरिेखा शीर्षकार्य प्रमंडल, रांची के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि रूक्का शहरी जलापूर्ति योजना के तहत जुमार पुल के पास राइजिंग पाइप लाइन में मरम्मत कार्य किया जाना अत्यंत आवश्यक है। इस जरूरी काम को पूरा करने के लिए जलापूर्ति को रोकना पड़ रहा है।

इन तारीखों को नहीं मिलेगा पानी

मरम्मत कार्य के कारणः निम्नलिखित तारीखों को रूक्का जलशोध संस्थान से जलापूर्ति बाधित रहेगी: 01 जुलाई 2026, 02 जुलाई 2026। विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे इन दो दिनों के लिए पानी का उचित प्रबंधन पहले ही कर लें। जलापूर्ति में होने वाली इस असुविधा के लिए विभाग ने खेद प्रकट किया है।

सहायक आचार्य नियुक्ति में नॉर्मलाइजेशन पर हाईकोर्ट सख्त, जएसएससी से मांगा विस्तृत जवाब

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड में सहायक आचार्य (असिस्टेंट टीचर) नियुक्ति प्रक्रिया में अपनाई गई नॉर्मलाइजेशन प्रणाली को लेकर दायर याचिकाओं पर मंगलवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने भर्ती प्रक्रिया की वैधता पर कई अहम सवाल उठाते हुए नॉर्मलाइजेशन की प्रक्रिया को नियमों के विपरीत बताया।

याचिकाकर्ताओं की ओर से अदालत को बताया गया कि सहायक आचार्य भर्ती नियमावली में नॉर्मलाइजेशन का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है, इसके बावजूद अभ्यर्थियों के प्राप्तांकों का नॉर्मलाइजेशन किया गया। साथ ही यह भी दलील दी गई कि पारा शिक्षक और गैर-पारा शिक्षक अभ्यर्थियों के अंकों का संयुक्त रूप से नॉर्मलाइजेशन किया गया, जो न्यायसंगत नहीं है।

सुनवाई के दौरान एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा यह भी उठाया गया कि जटेट और सीटेट उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को भी एक साथ नॉर्मलाइज किया गया, जबकि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद सीटेट अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया था। ऐसे में दोनों श्रेणियों के अभ्यर्थियों का एक साथ मूल्यांकन किए जाने पर सवाल खड़े किए गए।

बुद्ध स्मृति भवन ट्रस्ट का 16वां छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह 5 जुलाई को,आवेदन की अंतिम तिथि 2 जुलाई

मेट्रो रेज

रांची: बुद्ध स्मृति भवन ट्रस्ट की ओर से 16वें छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 5 जुलाई (रविवार) को बुद्ध स्मृति भवन (कुशवाहा धर्मशाला), प्रगति पथ, मकचुंद टोली, चुटिया में किया जाएगा। इस समारोह में वर्ष 2026 की 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।ट्रस्ट के अनुसार, झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) के 10वीं और 12वीं (आर्ट्स, साइंस एवं कॉमर्स) के ऐसे छात्र-छात्राएं जिन्होंने 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, तथा सीबीएससी और आईसीएससी बोर्ड के वे विद्यार्थी जिन्होंने 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक हासिल किए हैं, उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

सम्मान समारोह में चयनित विद्यार्थियों को मेडल, प्रशस्ति पत्र (सर्टिफिकेट) प्रदान किए जाएंगे। वहीं, सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विशेष मोमेंटो देकर सम्मानित किया जाएगा।

उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा के अभ्यर्थियों का मेडिकल जांच कल से

संवाददाता

रांची: झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की ओर से आयोजित उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा-2023 के तहत सूचीबद्ध 1941 अभ्यर्थियों की चिकित्सकीय जांच एक जुलाई से शुरू होगी। यह जांच 14 जुलाई तक ऑडिटोरियम आठवां तल्ला सदर अस्पताल रांची में की जाएगी। जेएसएससी ने आवश्यक सूचना जारी कर सूचीबद्ध अभ्यर्थियों को निर्धारित स्थल पर ससमय दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने को कहा है। अभ्यर्थियों को परीक्षा का प्रयुक्त प्रवेश पत्र, दो अपडेटेड पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो और फोटोयुक्त पहचान पत्र जांच स्थल पर लाना अनिवार्य होगा।

एपेक्स मेडिकल बोर्ड करेगा अंतिम फैसलाः 27 जून को जारी सूचना के मुताबिक चयन पर्षद के निर्णय के विरुद्ध अपील के लिए एपेक्स मेडिकल बोर्ड का गठन किया जायेगा। चिकित्सकीय परीक्षण के संबंध में एपेक्स मेडिकल बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा। चिकित्सकीय जांच में योग्य एवं अयोग्य अभ्यर्थियों की सूची आयोग को चयन पर्षद द्वारा उपलब्ध करायी जायेगी। चिकित्सकीय जांच के बाद प्रमाण पत्रों का सत्यापन आयोग द्वारा करते हुए परीक्षाफल प्रकाशित किया जायेगा।

अनुपस्थित अभ्यर्थियों को मिलेगा एक और अवसरः चिकित्सकीय जांच में किसी कारणवश अनुपस्थित रह गये अभ्यर्थियों को एक और अंतिम अवसर मिलेगा। 17 एवं 18 जुलाई को अंतिम अवसर प्रदान किया जायेगा। इसके बाद चिकित्सकीय जांच हेतु कोई अतिरक्ति अवसर प्रदान नहीं किया जायेगा। चयन पर्षद के निर्णय के विरूद्ध अपील हेतु एपेक्स मेडिकल बोर्ड द्वारा 20 व 21 जुलाई को पूर्वाहनः 11:00 बजे से चिकित्सकीय अधीक्षक कार्यालय सम्मेलन कक्ष रिम्स रांची में जांच का कार्य किया जायेगा। चिकित्सकीय जांच परीक्षण में असफल अभ्यर्थी उक्त तिथि को ससमय निर्धारित स्थान पर पहुंचना सुनिश्चित करेंगे। उल्लेखनीय है कि उक्त प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से उत्पाद सिपाही के 583 पदों पर नियुक्ति की जायेगी।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
Rural Works Department, Works Division, Ranchi

Short Notice inviting e-Quotation (NIQ)
4th Call PR No.-377750 REO(26-27):D
Notice No. 01/RE/2026-27

Government of Jharkhand through its Public Works Department (PWD) is engaged in framing/ Revision of Schedule of Rates and as part of this endeavour, quotations through e-tender/quotation are invited for Rate of Materials annexed as Annexure-1 for Construction Works from Quarry Owners/Crusher Owners/ Reputed Manufacturer/Authorized Dealers/ Suppliers and other Stakeholders authorized for respective items having valid GSTIN of materials. The rates conforming to specifications for inclusion in the Schedule of Rates for Government of Jharkhand to be used in different Civil Construction/ Infrastructure Works and Repair Works shall be submitted online in the website http://Jharkhand tenders.gov.in. Details of material and its Specifications are available on the above e-tender portal. The quotationer may download the documents from the website and quote their rate of materials online from 01.07.2026 at 10:30 AM. to 04.07.2026 at 16:00 PM. The quotation will be opened on 06.07.2026 at 3:00 PM.
The quotation is invited to ascertain and assess the Rate of Materials at par with lowest market rate for framing of Schedule of Rate.

Terms and Condition :-
1. The quotationer shall submit basic rate of material which will be inclusive of Royalty and other taxes but exclusive of GST, Overhead Charges and Contractor's Profit. Rate are at source i.e. Quarry/ Crusher Plant.
2. The Make and Specifications of various materials shall be governed by the relevant Indian Standard (IS) Codes, Indian Roads Congress (IRC) Codes and Specifications as issued by Central Public Works Department (CPWD)/Concerned Department of Government of India and Circulars issued by MoRTH.
3. Quotationer may quote rate for all of the Materials/ Part of the Material for which they are Concerned.
4. Manufacturers/ Producers or their authorised dealers shall quoted their rate for material which is actually manufactured/produced/procured by them and the rate quoted for other materials shall not be acceptable.
5. The quotationer shall quote latest and authentic rate which shall reflect market rate.
6. The quotationer should have necessary Portal enrolment with their own digital signature Certificate. Quotationers without necessary portal enrolment with their digital signature may quote their rate by uploading in the website, however they have to submit hard copy of the same duly signed along with necessary documents in the concerned division.
7. The rate quoted by quotationer shall be firm and final.
8. The quotationer shall furnish GST registration no., PAN card.
9. The undersigned reserves the right to accept or reject/cancel any or all quotations without assigning any reason thereof.
10. For any query or clarification you may Contact Mob Executive Engineer, Rural Works Department Works Division , Ranchi

Address for Communication
Executive Engineer
Rural Works Department Works Division
Ranchi Address Dindayal Nagar Booti Road Morabadi, Ranchi Mobile No- 8789809440
Email Id rwdran08@gmail.com

Executive Engineer
Rural Works Department,
Works Division, Ranchi

PR.NO.383539 REO(26-27):D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

मोदी बोलें या मौन रहें, चुभन तो होगी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब बोलते हैं तो कुछ लोग परेशान हो उठते हैं और जब वे मौन हो जाते हैं, तब भी ऐसा ही कुछ मंजर देखने को मिलता है। देश को प्रेरित करने वाले उनके वाक्यों में भी कुछ लोग राजनीति के दीदार करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा है कि जाकी रही भावना जैसी। प्रभु मूरत देखी तिन्ह तैसी। प्रधानमंत्री मोदी के साथ भी कुछ ऐसा ही है। उनके जितने प्रशंसक हैं, उतने ही विरोधी भी हैं। इस सच से इनकार नहीं किया जा सकता। विरोधियों के आरोपों के कीचड़ में कमल खिलाने के गुर उन्हें पता है। विपक्ष को यह समझना होगा कि पहाड़ जितना ऊंचा होता है, उतनी ही गहरी उसकी खाई होती है। पहाड़ पर चढ़ना आसान होता है लेकिन उसकी छोटी पर बने रहना कठिन क्योंकि शीर्ष से गिरे व्यक्ति को वहां तक पहुंचने में उतना ही श्रम फिर करना पड़ता है। कांग्रेस को यह बात समझनी होगी। दूसरों को कोसने से बात नहीं बनेगी बल्कि अपने गुण-दोष पहचान कर पूरी शक्ति से आगे बढ़ना होगा। मौन साधना है। शक्ति संचय का अवसर है लेकिन किसके लिए। कुछ लोगों का जवाब होगा- साधकों के लिए और कुछ लोग कह सकते हैं कि सबके लिए। वैसे तो दोनों जवाब अपनी जगह सही है। बोलना और मौन रहना दोनों जरूरी है क्योंकि यह हानि-लाभ से जुड़ा मामला है। सुविधा और असुविधा के संतुलन से जुड़ा प्रकरण है। इसलिए इसे हल्के में लेने की कतई जरूरत नहीं है। हर नागरिक को बोलने और न बोलने का औचित्य समझना चाहिए। कब बोलना है, कहां बोलना है। कितना बोलना है, क्या बोलना है और क्यों बोलना है, इसकी वैज्ञानिक योजना तो हर आम और खास के मस्तिष्क में होनी ही चाहिए अन्यथा स्थितियां अनर्थकारी हो सकती हैं।

धर्मग्रंथ बताते हैं कि द्रौपदी का एक मजाक महाभारत का सबब बन गया था। वैसे भी जब दो अजीज दोस्तों के बीच झगड़ा हो। दोनों एक-दूसरे के खून के प्यासे हो जाएं तो ऐसी हालत में चुप्पी साध लेना ही श्रेयस्कर होता है। कुछ भी बोलने का मतलब है, एक की नाराजगी मोल लेना। बहुधा देखने को मिलता है कि झगड़ा छुड़ाने के चक्कर में मध्यस्थ की ही जान चली जाती है। दो सांडों के संघर्ष में बचकर निकल लेने में ही भलाई है। नीति कहती है कि ज्यादा बोलना और ज्यादा चुप रहना ठीक नहीं है। ह्यअति का भला न बोलना, अति का भला न चुप। अति का भला न बरसना, अति की भली न धूप।ह्व संस्कृत ग्रंथों में ह्यअति सर्वत्रह्व वर्जयेत कहकर हर व्यक्ति को सतर्क किया गया है। वीणा के तारों को ज्यादा कसने पर जिस तरह उनके टूटने का खतरा रहता है। ढोलक की डोर कसते हुए उसे सुर में लाते वक्त कस कर ठोंकने पर जिस तरह उसके टूटने का खतरा रहता है, वैसा ही खतरा देश-विदेश में होने वाली घटनाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया देने में होता है। सत्ताशीर्ष पर बैठे लोगों को कुछ भी कहने से पूर्व उसके फलाफल का विचार जरूर करना चाहिए। क्योंकि जितने खतरे बोलने के होते हैं, उससे कम खतरे मौन के भी नहीं है। आजकल विपक्षी दल चाहते हैं कि देश-विदेश में होने वाली हर छोटी-मोटी घटना पर प्रधानमंत्री बिना एक मिनट का विलंब किए जवाब दें। विपक्ष की बात में कुछ हद तक दम हो सकता है लेकिन क्या प्रधानमंत्री को ऐसा करना चाहिए। यह देश के व्यापक हित में होगा, यह गहन आत्म मंथन का विषय है। चुप्पी सभी को खलती है। विपक्ष इसका अपवाद नहीं हो सकता। फिर यह अपेक्षा उस प्रधानमंत्री से है जो बोलते ही रहते हैं। लोग अपने मन की बात छिपाते हैं और वह उसे भी रेडियो पर व्यक्त करते हैं लेकिन महत्व के मुद्दों पर जब वे मौन साध लेते हैं तो किसी भी व्यक्ति का शंकासिक्त हो उठना स्वाभाविक है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने अपने एक लेख में कहा है कि इजराइल द्वारा गाजा में किए जा रहे हमले पर मोदी सरकार की चुप्पी और निष्क्रियता नैतिक रूप से निंदनीय व राष्ट्रीय हित की दृष्टि से समझ से परे है। उनका आरोप है कि मोदी सरकार ने खुद को अपने पारंपरिक सहयोगियों फिलिस्तीन, ईरान और वृहद पश्चिम एशिया से अलग-थलग कर लिया है। वैश्विक जनमत से दूरी बना ली है और पाकिस्तान को मध्यस्थ की भूमिका निभाने का अवसर दे दिया। कांग्रेस नेता इस तरह की बातें लंबे समय से कर रहे हैं कि मोदी सरकार में भारत की विदेश नीति कमजोर हुई है लेकिन जिस तरीके से प्रधानमंत्री मोदी को अनेक देशों के सर्वोच्च पुरस्कार मिल चुके हैं और अनवरत मिलते जा रहे हैं, उससे ऐसा तो नहीं लगता कि हम वैदेशिक कूटनीति के मोर्चे पर कहीं कमजोर हुए हैं।

अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच भी भारतीय तेल टैंकर बंद पड़े होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र से गुजरकर भारत पहुंचे हैं। हां, कुछेक तेलवाहक जहाजों पर हमले भी हुए हैं। कुछ दूसरे देशों के तेलवाहक जहाजों पर कभी ईरान और कभी अमेरिका की ओर से हमले भी हुए हैं और उस पर तैनात कुछ भारतीय नाविकों की मौत भी हुई है। इस पर भी विपक्ष ने सरकार को घेरने की कोशिश की है। यह जानते हुए भी इसके लिए भारत सरकार कड़ा प्रतिवाद कर चुकी है और अमेरिकी राजदूत को तलब तक कर चुकी है। जबकि कांग्रेस या अन्य विरोधी दलों को पता है कि भारत के लोग दुनिया भर में काम करते हैं। किसी भी देश में कुछ भी होता है तो उसमें भारतीय नागरिकों के हताहत होने का खतरा होता है। भारत को तेल आदि बहुतेरी वस्तुओं को किसी न किसी देश से आयात करना पड़ता है। ऐसे में वह किसी एक देश के पक्ष में बोलकर दूसरे देश से बिगाड़ क्यों करना चाहेगा? लेकिन जिस तरह कांग्रेस या दूसरे राजनीतिक दल मोदी सरकार को घेर रहे हैं, उससे यही लगता है कि या तो वे भारत की आवश्यकताओं और समस्याओं से अनभिज्ञ हैं या फिर जानबूझकर उसे जलती आग में हाथ डालने की सलाह दे रहे हैं। हालांकि ऐसा करने में चित और पट दोनों विपक्ष के हित में है।

देश के हितों की चिंता करने वाला व्यक्ति ऐसी सलाह कभी नहीं देगा। यह इस बात का भी संकेत है कि विपक्ष, खासकर कांग्रेस के लिए भारत की विदेश नीति से अधिक वोटबैंक की राजनीति महत्वपूर्ण है। भारत ने गाजा और फिलिस्तीन के मुद्दे पर कई अवसरों पर अपना स्पष्ट रुख रखा है और ठोस मानवीय सहायता भी उपलब्ध कराई है। संयुक्त राष्ट्र के युद्धविराम संबंधी प्रस्तावों के समर्थन में भारत का रुख किसी से छिपा नहीं है। फिलिस्तीन अगर भारत को अपना विरोधी समझता तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फिलिस्तीन का सर्वोच्च नागरिक सम्मान क्यों देता? विचार तो इस पर भी किया जाना चाहिए। भारत ने गाजा और फिलिस्तीन के मुद्दे पर कई अवसरों पर अपना स्पष्ट रुख रखा है और उसे ठोस मानवीय सहायता उपलब्ध कराई है। वैश्विक संघर्षों में आमने-सामने खड़े देशों के साथ भी समान रूप से संबंध बनाए रखने की प्रधानमंत्री मोदी की निरंतर कोशिश रही है। इजराइल, फिलिस्तीन, ईरान, अमेरिका, रूस, यूक्रेन और पश्चिमी देशों से भारत का सतत संवाद संपर्क इस बात का प्रमाण है। अब तो दुनिया के देश भी यह स्वीकार कर रहे हैं। युद्धरत देशों में शांति बहाल करने में भारत की बड़ी भूमिका हो सकती है।

कांग्रेस चाहती तो अपने छह दशक से अधिक के शासनकाल में इजराइल के साथ संबंध विकसित कर सकती थी लेकिन उसने अपनी विदेश नीति में भी वोटबैंक की राजनीति को तरजीह दी। इजराइल से अच्छे संबंध के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने बेंजामिन नेतन्याहू को भी नसीहतों का कड़वा घूंट पिलाने में कभी संकोच नहीं किया। हमले तो इजराइल पर भी कम नहीं हुए, कांग्रेस को उस पर भी बोलना चाहिए था। जिस त्वरा के साथ उसने गाजा और रफा के मुसलमानों के लिए आवाज बुलंद की, वैसा ही कुछ वह यहूदियों की चिंता में करती तो लगता कि भारत की सबसे पुरानी पार्टी दुनिया में सबके साथ है। कांग्रेस ने दोस्ती की थी चीन से, चीन से उसे क्या मिला- धोखा। तिब्बत भारत के हाथ से चला गया। अक्साईचिन का बड़ा भूभाग चीन ने कब्जा लिया।

जाति, धर्म और आरक्षण

तमिलनाडु सरकार ने अपने आदेश में प्रावधान किया था कि अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग या डिनोटिफाइड समुदायों से आने वाले लोग यदि धर्मांतरण करते हैं और इस्लाम धर्म अपनाते हैं तो उन्हें भी पिछड़े वर्गों के रूप में आरक्षण का लाभ दिया जा सकता है। सरकार का तर्क था कि इससे मतांतरण करने वाले व्यक्तियों के भी अधिकार सुरक्षित रहेंगे।

हृदयनारायण दीक्षित

मतांतरण से आरक्षण नहीं मिलता। इस्लाम अपनाने वाला व्यक्ति अपना मत बदल कर मुसलमान हो सकता है लेकिन पिछड़े वर्ग का सदस्य नहीं रह जाता। मद्रास हाई कोर्ट ने कहा है कि ईसाई मिशनरियों और इस्लामी उपदेशकों ने सदियों तक अपने-अपने पंथ की प्रशंसा की है कि उनके यहां सामाजिक समता है। बराबरी है। भेदभाव नहीं है। हिन्दुओं में जाति व्यवस्था है। कोर्ट ने कहा है कि उसका मत है कि कुछ वर्गों को पिछड़ा और कुछ को अगड़ा बताना कुरान की शिक्षा के विपरीत है। फिर इस्लाम का तो दावा ही बराबरी वाला समाज बनाना है। बहुत लम्बे समय से ईसाई और इस्लामी धर्म उपदेशक धर्मांतरित व्यक्ति के लिए भी पिछड़े वर्गों की सुविधाएं मांगते रहे हैं। भिन्न-भिन्न राज्यों के उच्च न्यायालयों ने ऐसे ही विचार व्यक्त किए हैं और फैसले सुनाए हैं। लेकिन राजनीतिक दलतंत्र द्वारा धर्मांतरित व्यक्ति के लिए भी आरक्षण की सुविधा मांगी जाती रही है। इस दफा न्यायालय ने साफ कर दिया है कि सिर्फ मतांतरण करने से किसी व्यक्ति का वर्ग नहीं बदलता और मतांतरित व्यक्ति को पिछड़े वर्ग का सदस्य नहीं माना जा सकता।

मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार के मार्च 2024 के आदेश को असंवैधानिक बताया है और उसे रद्द कर दिया है। सरकारी आदेश में मतांतरण करने वाले व्यक्ति को मुस्लिम पिछड़ा वर्ग का सदस्य माना गया था। मतांतरित व्यक्ति को भी पिछड़े वर्गों के रूप में मान्यता देने का प्रावधान किया गया था। यह चर्चित फैसला मद्रास हाई कोर्ट की पीठ ने 25 जून को सुनाया है। कोर्ट ने यह निर्णय सम्यक विचारोपरान्त एक ऐसे मामले में दिया है, जिसमें एक व्यक्ति, जिसका जन्म हिन्दू परिवार में हुआ था और बाद में उसने हिन्दू धर्म छोड़ कर अपना नाम समीर अहमद रख लिया था। मुसलमान हो जाने के बाद उसने स्वयं को मुस्लिम लेब्बाई समुदाय का सदस्य बताया। उसने अपने तहसीलदार से पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र की मांग की। तहसीलदार ने उसका आवेदन खारिज कर दिया। तब वो हाईकोर्ट पहुंचा।

तमिलनाडु सरकार ने अपने आदेश में प्रावधान किया था कि अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग या डिनोटिफाइड समुदायों से आने वाले लोग यदि धर्मांतरण करते हैं और इस्लाम धर्म अपनाते हैं तो उन्हें भी पिछड़े वर्गों के रूप में आरक्षण का लाभ दिया जा सकता है। सरकार का तर्क था कि इससे मतांतरण करने वाले व्यक्तियों के भी अधिकार सुरक्षित रहेंगे। लेकिन कोर्ट ने यह दलील नहीं मानी और स्पष्ट कर दिया कि आरक्षण का आधार पंथ या मजहब नहीं होता। बल्कि सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ापन होता है। कोर्ट ने साफ किया कि संवैधानिक श्रेणियों जैसे अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अति पिछड़ा वर्ग को एक साथ मिला कर नई श्रेणी बनाना संविधान के मूल ढांचे के विपरीत है।

मद्रास हाई कोर्ट ने ही 1951 के फैसले का हवाला देते हुए कहा था कि, ह्वजब कोई हिन्दू इस्लाम अपनाता है तो वह सिर्फ मुसलमान बनता है। समाज में उसकी प्रतिष्ठा जाति के आधार पर नहीं होती। हिन्दू धर्म छोड़ते ही वह अपनी मूल जाति का सदस्य नहीं रह जाता।ह्व आरक्षण का मसला भारत की संविधान सभा में भी आया था। मजहबी आधार पर ही देश का विभाजन हो चुका था। संविधान सभा बड़े उदास क्षणों में आरक्षण पर विचार कर रही थी। संविधान सभा ने सरदार पटेल की अगुवाई में अल्पसंख्यकों के आरक्षण के मुद्दे पर विचार करने के लिए समिति बनाई थी। समिति ने अपनी सिफारिश में मजहबी आरक्षण को सिरे से खारिज कर दिया था।सभा की अल्पसंख्यक अधिकारों, मूलाधिकारों संबंधी समिति के सभापति सरदार पटेल ने संविधान सभा में समिति की रिपोर्ट (25 मई, 1949) पेश की। लगातार दो दिन (25 व 26 मई, 1949) बहस हुई। जगत नारायण लाल ने कहा, ह्वभारत एक लौकिक (सेकुलर) राज्य होगा। उसके बाद रक्षणों की कोई मांग नहीं होनी चाहिए। जहाँ तक अनु. जातियों का प्रश्न है उन्हें आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े हुए होने के कारण ही रक्षण दिया गया है।ह्व ज्यादातर सदस्यों ने अनु. जाति के अस्थाई आरक्षण को सही बताया लेकिन ह्यआरक्षणह्व की मूल भावना को कोसा। नजीरुद्दीन अहमद ने कहा, ह्वमैं समझता हूँ कि किसी प्रकार के रक्षण स्वस्थ राजनीतिक विकास के प्रतिकूल हैं। उनसे एक प्रकार की हीन भावना प्रकट होती है। .....श्रीमान रक्षण ऐसा रक्षा उपाय है जिससे वह वस्तु जिसकी रक्षा की जाती है वह नष्ट हो जाती है। जहाँ तक अनु. जातियों का संबंध है, हमें कोई शिकायत नहीं है।ह्व जेड.एच. लारी ने मुस्लिम आरक्षण की पैरवी करते हुए कहा, ह्वआपको अनु. जाति के हितों की चिंता है। मुसलमानों के हितों की परवाह नहीं। अनु. जाति के स्थान रक्षण सिद्धांत के साथ क्या आप यह भी नहीं स्वीकार करते कि आरक्षण राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध नहीं है?ह्व आरक्षण राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध होता है। आरक्षण एक विशेष अस्थाई उपाय है। इसके नफा-नुकसान पर सम्यक विचार नहीं हुआ। हालांकि संविधान निमार्ताओं ने इसे सामाजिक पुनर्निर्माण का औजार बनाया। अनुसूचित जातियों/जनजातियों को जन्मना आधारित अस्थाई आरक्षण मिला। पिछड़े वर्गों की दशाओं के अन्वेषण के लिए आयोग बनाने की व्यवस्था (अनु. 340) की गई। पं. नेहरू के समय (1953) पिछड़े वर्गों की खोज के लिए काका कालेलकर आयोग बना। आयोग के कई सदस्य जन्मना जाति को पिछड़ेपन का आधार बनाने पर असहमत थे। आयोग ने राष्ट्रपति को लिखा, ह्वसमानता वाले समाज की ओर प्रगति में जाति प्रथा बाधा है। कुछ निश्चित जातियों को पिछड़ा मानने से यह हो सकता है कि हम जाति प्रथा के आधार पर भेदभाव को सदा के लिए बनाए रखें। नेहरू सरकार ने जाति के अलावा पिछड़ेपन का आधार जाँचने की कोई दीगर कसौटी खोजने की बात की। वीपी मण्डल के नेतृत्व में दूसरा आयोग बना। मण्डल आयोग की रिपोर्ट (1980) में ह्यजातिह्व को पिछड़ेपन का आधार बनाया गया। आयोग ने पिछड़ी जातियों की सूची भी बनाई। मण्डल ने गरीबी हटाने के राष्ट्रीय कार्यक्रमों को आरक्षण से अलग रखने की आश्चर्यजनक बात कही, ह्वगरीबी हटाने की राष्ट्रीय समस्या के अंतर्गत अन्य पिछड़ी जातियों को ऊपर उठाने की समस्या आती है। पर यह बात अंशतः ही सही है। अन्य पिछड़ी जातियों का अभावग्रस्त होना एक अलग बड़ी राष्ट्रीय समस्या है।ह्व (रिपोर्ट, पृ. 62) यानी देश के बाकी जनों की गरीबी अलग समस्या है। पिछड़ी जातियों की गरीबी भी विचारणीय है। लेकिन मजहबी आधार पर आरक्षण मान्य नहीं है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

वीबी-जी राम जी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को करेगा मजबूत

ग्रामीण क्षेत्र के ऐसे प्रत्येक पात्र परिवार को अब एक वित्तीय वर्ष में 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन का रोजगार देने की वैधानिक गारंटी प्रदान की गई है। पहले श्रमिकों को 15 दिन में भुगतान किया जाता था, अब साप्ताहिक भुगतान का प्रावधान किया गया है। भुगतान डीबीटी के माध्यम से सीधे बैंक अथवा डाकघर खातों में जाएगा, जिससे पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित होगी।

डॉ.लोकेश कुमार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने ग्रामीण सशक्तीकरण को लेकर बड़ा कदम उठाया है, जो एक जुलाई, 2026 से पूरे देश में वीबी-जी राम जी के नाम से लागू होने जा रहा है। मनरेगा के स्थान पर विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (वीबी-जी राम जी) योजना पूरे देश के ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर, समावेशी और सशक्त बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी। गांवों से रोजगार की तलाश में शहरों में हो रहे पलायन को रोकने के लिए यह एक कारागार कदम है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए केंद्र सरकार ने इस योजना में 95 हजार, 692 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन किया है, जो ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम के लिए अब तक का सर्वाधिक आवंटन राशि है। राज्यों के राज्यांश सहित इस कार्यक्रम का कुल परिव्यय 1.51 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान है।

ग्रामीण क्षेत्र के ऐसे प्रत्येक पात्र परिवार को अब एक वित्तीय वर्ष में 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन का रोजगार देने की वैधानिक गारंटी प्रदान की गई है। पहले श्रमिकों को 15 दिन में भुगतान किया जाता था, अब साप्ताहिक भुगतान का प्रावधान किया गया है। भुगतान डीबीटी के माध्यम से सीधे बैंक अथवा डाकघर खातों में जाएगा, जिससे पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित होगी। वहीं, निर्धारित समय की अवधि में रोजगार उपलब्ध नहीं होने पर बेरोजगारी भत्ते और मजदूरी भुगतान में देरी होने पर क्षतिपूर्ति देना भी वैधानिक प्रावधान है। यह निर्णय ग्रामीण आय में वृद्धि और आजीविका सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिन मौजूदा मनरेगा जॉब कार्ड के लिए ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी हो गई है, वे वीबी-जीरामजी अधिनियम, 2025 के प्रावधानों के अनुसार नए ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड जारी होने तक वैध बने रहेंगे।

यह मनरेगा का एक उन्नत और आधुनिक रूप है। यह ग्रामीण परिवारों को एक साल में 125 दिन के गारंटीकृत रोजगार और समय पर मजदूरी नहीं मिलने पर बेरोजगारी भत्ते की कानूनी गारंटी देता है। ग्रामीण परिवारों को एक वित्तीय वर्ष में 125 दिन तक के अकुशल शारीरिक काम करने की गारंटी दी जाती है। कृषि मौसम में 60 दिन की राहत प्रदान की गई। कृषि क्षेत्र में बुवाई और कटाई जैसे चरम समय के दौरान मजदूरों की कमी नहीं हो, इसलिए राज्य सरकारें 60 दिनों तक की अवधि की अग्रिम घोषणा करती हैं, जिनमें खेतों पर काम करने के लिए योजना के अंतर्गत काम रोक दिया जाता है। इसके अंतर्गत मुख्य रूप से जल सुरक्षा, ग्रामीण व आजीविका संबंधी अवसंरचना (बुनियादी ढांचे) और आपदा शमन से जुड़े कार्य किए जाते हैं।

पारदर्शिता और डिजिटल तकनीक के तहत ग्राम पंचायतें ही योजनाओं की पहचान कर उन्हें लागू करेगी। इसे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, मोबाइल आधारित रिपोर्टिंग, रीयल-टाइम डैशबोर्ड) और सोशल ऑडिट के जरिए पारदर्शी बनाया गया है। यह योजना ह्यविकसित भारत 2047ह्व के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुरक्षा को मजबूत करने का एक नया कानूनी ढांचा प्रदान किया है। विकसित भारत- जी राम जी विधेयक, 2025 विकसित भारत 2047 के साथ संयोजित एक नई सांविधिक संरचना के साथ मनरेगा का स्थान लेता है। ग्रामीण परिवार की आय सुरक्षा सुदृढ़ होगी।

मनरेगा दो दशकों से भारत की सामाजिक सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती की संरचना की आधारशिला रही है। 2005 में कार्यान्वित होने के बाद से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) ने रोजगार प्रदान करने, ग्रामीण आय को स्थिर करने और मूलभूत अवसंरचना निर्माण में अहम भूमिका निभाई है। समय के साथ, ग्रामीण भारत की संरचना और लक्ष्य में काफी बदलाव भी आ गए हैं। मोदी सरकार ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025, (जिसे विकसित भारत- जी राम जी विधेयक, 2025 भी कहा गया है) का प्रस्ताव रखा है। यह विधेयक मनरेगा में व्यापक वैधानिक बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है, जो ग्रामीण रोजगार को विकसित भारत 2047 के दीर्घकालिक विजन के साथ संयोजित करता है और जवाबदेही, बुनियादी ढांचे के परिणामों और आय सुरक्षा को सुदृढ़ करता है। देश की आजादी के बाद से ग्रामीण विकास की नीतियों का प्रमुख विषय निर्धनता कम करने, खेती की पैदावार को बेहतर बनाने और अधिशेष और कम काम वाले ग्रामीण मजदूरों के लिए रोजगार करने का सृजन रहा है। मजदूरी वाले रोजगार कार्यक्रम धीरे-धीरे ग्रामीण रोजगार की सहायता करने के मुख्य माध्यम बन गए हैं। सबसे पहले ग्रामीण श्रमबल कार्यक्रम (1960 का दशक) और ग्रामीण रोजगार के लिए क्रैश स्कीम (1971) जैसे आरम्भिक कार्यक्रमों के साथ भारत के मजदूरी रोजगार पहलों की विविध चरणों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में प्रगति हुई। इनके बाद 1980 और 1990 के दशक में अधिक संरचित प्रयास किए गए, जिसमें राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम, ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम को शामिल किया गया। इस योजना को बाद में जवाहर रोजगार योजना (1993) में विलय कर दिया गया। 1999 में यह सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना में संघटित हो गई, जिसका उद्देश्य कवरेज और समन्वय में सुधार करना था। रोजगार आश्वासन योजना और काम के बदले अनाज कार्यक्रम जैसी पूरक योजनाओं ने मौसमी बेरोजगारी और खाद्य सुरक्षा पर ध्यान देकर एक ग्रामीण बेरोजगारी के कुछ दंश को शांत करने में मददगार साबित हुई। 1977 के महाराष्ट्र रोजगार गारंटी अधिनियम के साथ एक बड़ा बदलाव आया, जिसने काम करने के वैधानिक अधिकार की अवधारणा प्रस्तुत की गई । इनके अनुभवों के आधार पर सन 2005 में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम का जन्म हुआ। इस गारंटी योजना में बिना कौशल वाले काम करने को तैयार गांव के परिवारों को प्रति वर्ष कम से कम 100 दिन की गारंटी वाला काम देकर रोजी-रोटी की सुरक्षा बढ़ाना था। वित्त वर्ष 2013-14 और वित्त वर्ष 2025-26 के बीच महिलाओं की सहभागिता 48 प्रतिशत से धीरे-धीरे बढ़कर 58.15 प्रतिशत हो गई। कई राज्यों में निगरानी से पता चला कि जमीनी स्तर पर काम प्राप्त नहीं हो रहा था, व्यय वास्तविक प्रगति से मेल नहीं खा रहा था, श्रम केन्द्रित कार्यों में मशीनों का बहुत आयात में इस्तेमाल हो रहा था। महामारी के बाद के समय में केवल कुछ ही परिवार पूरे सौ दिन का काम पूरा कर पाए। इन रुझानों से पता चला कि डिलीवरी प्रणाली में तो सुधार हुआ, लेकिन मनरेगा का पूरा ढांचा लगभग चरमरा चुका था।

पूरी का 'चमत्कार'! एक ही आग पर रखे 7 बर्तनों में सबसे ऊपर वाला खाना पहले कैसे पकता है?

जगन्नाथ यात्रा भारत ही नहीं, दुनिया भर में भगवान जगन्नाथ यात्रा लोकप्रिय है। हर साल ओडिशा में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जाती है। जब रथ यात्रा शुरू होती है, तो लाखों भक्त ओडिशा पहुंच जाते हैं। यहां पर श्रद्धालुओं को रथ यात्रा के साथ-साथ कई और चीजें आकर्षित करती हैं और वो है जगन्नाथ मंदिर में बनने वाला महाप्रसाद। इस प्रसाद से जुड़ी कई ऐसी बातें हैं जिन्हें जानकर लोग हैरान भी हो जाते हैं। सबसे खास बात यह है कि यहां खाना मिट्टी के बर्तनों में पकाया जाता है। ये सभी बर्तन एक के ऊपर एक करके रखे जाते हैं। तो चलिए बिना देर किए आपको इस लेख में जगन्नाथ मंदिर की रसोई से जुड़ी खास बातें बताने जा रहे हैं। दुनिया के सबसे बड़े किचन में से एक है ये रसोई

दरअसल, जगन्नाथ मंदिर की रसोई को दुनिया की सबसे बड़ी मंदिर रसोइयों में गिना जाता है। यहां की रसोई मंदिर परिसर के साउथ ईस्ट में है। वहीं, रसोई में करीब 150 फीट लंबी, 100 फीट चौड़ी और लगभग 20 फीट ऊंची है। इसमें कुल 32 कमरे हैं और इसके अंदर लगभग 250 मिट्टी के चूल्हे बने हुए हैं। यहां हर दिन करीब 600 रसोइए और 400 लोगों मिलकर भगवान के लिए प्रसाद की तैयारी करते हैं।

मिट्टी के बर्तन में बनता है प्रसाद

बता दें कि , इस रसोई की सबसे खास बात यही है कि इसका पारंपरिक तरीका है। यहां भोजन बनाने के लिए मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं, चूल्हे के लिए लकड़ी की आग तैयारी की जाती है और फिर चावल, दाल, सब्जियां और दूसरे व्यंजन मिट्टी के बर्तनों में ही पकाए जाते हैं। माना जाता है कि यहां मां लक्ष्मी स्वयं खाना बनाती हैं।

एक के ऊपर एक रखे जाते हैं बर्तन

यहां पर महाप्रसाद बनाते समय मिट्टी के कई बर्तन एक-दूसरे के ऊपर रख दिए जाते हैं। खासतौर पर लोग यही सोचते हैं कि नीचे रखा बर्तन पहले पकेगा,क्योंकि आग के पास यही सबसे करीब है, लेकिन यहां एक अलग ही बात देखने को मिलती है। माना जाता है कि परंपरा के अनुसार, यहां सबसे ऊपर रखा बर्तन पहले पकता है।

जगन्नाथ प्रभु को 56 प्रकार के व्यंजनों को छप्पन भोग या महाप्रसाद कहा जाता है। भक्तजन इसे सिर्फ भोजन नहीं, बल्कि भगवान का आशीर्वाद मानते हैं। भगवान को भोग लगाने के बाद बनता है महाप्रसाद

टिप्स

खाने में तीखापन हो जाए ज्यादा तो आजमाएं ये स्मार्ट किचन ट्रिक्स

कभी-कभी खाना बनाते समय कुछ गड़बड़ हो जाती है और खाने में तीखापन ज्यादा हो जाता है। जब खाने में मसाला ज्यादा होता है तो फिर उसे कोई भी नहीं खाना चाहता। अक्सर ऐसे में खाना यूं ही बेकार हो जाता है। इतना ही नहीं, कई बार तीखापन कम करने के लिए तुरंत दही, चीनी या पानी डाल देते हैं। इससे तीखापन कम हो या ना हो, लेकिन कई बार इससे स्वाद और भी बिगड़ जाता है। इसलिए, यह जरूरी है कि आप पहले यह समझें कि खाने में वास्तव में कौन-सा मसाला ज्यादा हुआ है? जब आप यह समझ जाएंगे तो आसानी से अपने खाने को बर्बाद होने से बचा पाएंगे। तो चलिए आज हम आपको आसान स्मार्ट किचन ट्रिक्स के बारे में बता रहे हैं-

अगर खाने में लाल मिर्च हो जाए तेज : अगर खाने में लाल मिर्च ज्यादा हो गई है, तो ऐसे में सब्जी में फैट बढ़ाइए। ऐसे में पानी डालने की गलती ना करें, क्योंकि लाल मिर्च की तीखापन देने वाला तत्व कैप्साइसिन पानी में नहीं घुलता। ऐसे में बेहतर होगा कि आप ताजी मलाई, दही, मक्खन, घी या नारियल का दूध डालकर मिक्स करें।

अगर खाने में गरम मसाला हो जाए तेज :अगर खाने में गरम मसाला तेज होने की वजह से तीखापन महसूस हो रहा है तो ऐसे में आप तीखापन कम करने के लिए चीनी डालने से बचें। तीखापन कम करने के लिए आप उसी सब्जी का बिना मसाले वाला बेस तैयार करें। इससे मसाले की मात्रा अपने आप बैलेंस हो जाएगी।

अगर खाने में काली मिर्च हो जाए तेज : अगर खाने में काली मिर्च तेज हो जाए तो ऐसे में आप खाने में खट्टापन बढ़ाइए। याद रखें कि काली मिर्च का तीखापन लाल मिर्च से अलग होता है। इसलिए, इसे कम करने के लिए आप टमाटर प्यूरी, थोड़ा नींबू या थोड़ा दही मिक्स करें। कभी भी इस तरह की सब्जी में चीनी डालने से बचें, क्योंकि इससे स्वाद और अजीब हो सकता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

रथ में सवार भगवान जगन्नाथ बलभद्र बहन सुभद्रा को नगर भ्रमण कराया

साहिबगंज : स्नान पूर्णिमा पर प्रभु श्री जगन्नाथ स्नान रथ यात्रा व स्नान महोत्सव के पावन अवसर पर श्री श्री जगन्नाथ सेवा समिति की ओर से प्रभु श्री जगन्नाथ स्नान रथ यात्रा शहर के साक्षरता चौक काटरगंज दुर्गा मंदिर प्रांगण से निकाली गई।रथयात्रा मंदिर प्रांगण से निकलकर पुलिस लाइन, सुभाष कॉलोनी,पोखरिया पूर्वी फाटक, कॉलेज रोड,ग्रीन होटल चौक,स्टेशन चौक,पटेल चौक,चौक बाजार होते हुए भरतीया कॉलोनी स्थित अयोध्याधाम पहुंची।रथयात्रा में जय जगन्नाथ का खूब जयकारा लगा।भक्त झूमते नाचते प्रभु जगन्नाथ को रस्सी से खींचकर नगर भ्रमण कराया।वही अयोध्यधाम में प्रभु का भव्य स्नान कराया गया।जिसमें गंगा जल आम रस गुलाब जल,दही,दूध,घी, सहस्त्र धारा से स्नान कराया गया ओर प्रभु का श्रृंगार करके पूजन आरती किया गया ओर 56 भोग लगाया गया। वही भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया।मौके पर समिति अध्यक्ष अविनाश नरसरिया,सचिव कुमार दीपांशु, कोषाध्यक्ष आनंद ठाकुर,दस्य चंदन कुमार,अभिषेक,निखिल गुप्ता,सूरज, अनुज,आदित्य,गौरव,अंकुश,सुमित, विशाल,ऋषव सहित अन्य है।

रथयात्रा में जगह जगह श्रद्धालुओं का स्वागत

भगवान श्री जगन्नाथ स्नान रथयात्रा के क्रम में पूर्वांचल दुर्गा पूजा समिति साक्षरता चौक काटरगंज,बड़ी काली पोखरिया समिती,चैती दुर्गा मंदिर सकरूगढ़,कॉलेज रोड,पटेल चौक समीप सब्जी मंडी काली पूजा महावीर समिति सहित अन्य जगहों पर रथयात्रा में शामिल भक्तों का स्वागत किया गया ओर भक्तों को शरबत,पानी पिलाया गया।वही गायत्री मंदिर परिवार की ओर से पूजन आरती किया गया।मौके पर सचिन आकाश विकास अर्जुन राकेश मिथलेश,मुन्ना ठाकुर सहित अन्य थे।

3 और 4 जुलाई को जिला में जुटेंगे देश के अलग अलग क्षेत्रों के स्पेशियलिटी डॉक्टर

साहिबगंज : जिला में पहली बार ईस्ट जॉन के सुपर स्पेशियलिटी कॉन्फ्रेंस सूर्या सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में 3 ओर 4 जुलाई को होगा।जिसमें देशभर के दिग्गज यूरोलॉजिस्ट्स का जुटान होगा उक्त बाते संगठन सचिव डॉ सुमित कुमार ने कहा।सूर्या सुपर स्पेशियलिटी इंस्टीट्यूट में सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।जिसमें संगठन सचिव डॉ सुमित कुमार व डॉ विजय कुमार थे।डॉ सुमित ने कहा कि झारखंड राज्य के मेडिकल इतिहास में जिला एक नया कीर्तिमान रचने जा रहा है।यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया झारखंड चैप्टर के तत्वावधान में आगामी 3 और 4 जुलाई को 7वा जेयूएससीओएन का भव्य आयोजन जिला के सूर्या नर्सिंग एजुकेशनल कॉलेज में होगा।यह पूरे संथाल परगना क्षेत्र के इतिहास में पहली बार है जब इतनी बड़ी कोई मेडिकल सुपर स्पेशियलिटी कॉन्फ्रेंस आयोजित की जा रही है।जो साहिबगंज के लिए बेहद गर्व और सम्मान की बात है।देशभर से जुटेंगे नामचीन विशेषज्ञ डॉ सुमित ने बताया कि दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में झारखंड के अलग अलग क्षेत्रों से लगभग 60 से अधिक यूरोलॉजिस्ट और डेलिगेट्स हिस्सा ले रहे हैं।इसके साथ ही कोलकाता, भुवनेश्वर,बैंगलोर,नाडियाड अहमदाबाद और पटना जैसे देश के बड़े शहरों से यूरोलॉजी विभाग के नामचीन डॉक्टर और प्रोफेसर्स शामिल हो रहे हैं।मुख्य अतिथि कोलकाता के प्रसिद्ध सीनियर यूरोलॉजिस्ट और रीनल ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ पीके मिश्रा होंगे।इसके अलावा विशिष्ट अतिथियो में ईस्ट जोन यूरोलॉजिकल सोसाइटी के प्रेसिडेंट डॉ रंजन डे,सेक्रेटरी डॉ सुनिर्मल चौधरी,प्रेसिडेंट इलेक्ट डॉ एमके सेनापति,पास्ट प्रेसिडेंट डॉ अरविंद अग्रवाल और यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के ट्रेजरर डॉ हरप्रीत सिंह मुख्य रूप से उपस्थित होंगे। डॉ विजय कुमार ने बताया कि कॉन्फ्रेंस के दौरान यूरोलॉजी से जुड़ी बीमारियों और उनके आधुनिक इलाज पर बहुत ही बारीकी से चर्चा की जाएगी।इसमें मुख्य रूप से एंडीयूरोलॉजी पथरी स्टोन और प्रोस्टेट की समस्याओं का दूरबीन विधि से आधुनिक इलाज पर चर्चा होगी।लैप्रोस्कोपिक यूरोलॉजी में विभिन्न यूरोलॉजिकल सर्जरी में दूरबीन विधि का उपयोग पर चर्चा होगी। एंड्रोलॉजी में पुरुषों में होने वाली कमजोरी,निःसंतानता और अन्य गुप्त रोग पर चर्चा होगी।यूरो-ऑन्कोलॉजी में किडनी,ब्लैडर,प्रोस्टेट और एड्रिनल ग्लैंड के कैंसर का इलाज के बारे मे चर्चा होगी।यूरेथ्रोप्लास्टी में महिला और पुरुष दोनों में पेशाब की नली सिकुड़ने की समस्या और उसकी सर्जरी पर चर्चा होगी।यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन में पेशाब के संक्रमण से जुड़े गंभीर मुद्दे पर चर्चा होगी।इन विषयों पर देश के दिग्गज डॉक्टर्स डॉ रोहन बत्रा एमपीयूएच नाडियाड,डॉ श्रीनिवास एन फोर्टिस कोलकाता,डॉ मनोज दास एम्स, भुवनेश्वर,डॉ.सुनिर्मल विभागाध्यक्ष यूरोलॉजी आईपीजीएमईआर कोलकाता,और डॉ संदीप गुप्ता विभागाध्यक्ष यूरोलॉजी,आर जी कर, कोलकाता अपने अनुभव और शोध साझा करेंगे वही इस कॉन्फ्रेंस में फार्मास्युटिकल और उपकरण निमार्ता कंपनियों की बड़ी भागीदारी रहेगी,जो अपनी मशीनों का प्रदर्शन करेगी।इस कॉन्फ्रेंस की महत्ता और गरिमा को देखते हुए देशभर की 40 से अधिक बड़ी फार्मास्युटिकल कंपनी और यूरोलॉजी उपकरण निमार्ता कंपनियों ने इसमें उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया है।ये कंपनियों यूरोलॉजी के क्षेत्र में आ रहे नए एडवांस मेडिकल उपकरणों, सर्जिकल तकनीकों और जीवन रक्षक दवाओं का प्रदर्शन करेंगी।जिससे क्षेत्र के डॉक्टरों को आधुनिक चिकित्सा तकनीकों को करीब से जानने का अवसर मिलेगा।संथाल परगना क्षेत्र में इस स्तर की पहली सुपर स्पेशियलिटी कॉन्फ्रेंस का होना न सिर्फ चिकित्सा के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगा,बल्कि इससे साहिबगंज का नाम पूरे देश के चिकित्सा जगत में बड़े गौरव के साथ लिया जाएगा।मौके पर डॉ विजय कुमार,डॉ सुमित कुमार उपस्थित थे।

क्षेत्रीय खो-खो प्रतियोगिता में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर प्रथम

हजारीबाग : विद्या भारती की ओर से आयोजित 37वीं क्षेत्रीय खो-खो प्रतियोगिता 2026 में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, कुम्हारटोली, हजारीबाग के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से विद्यालय में हर्ष का माहौल है। सोमवार को विद्यालय की वंदना सभा में प्राचार्य शर्मेंद्र कुमार साहू ने विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण-पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

इन्यूमरेशन चरण में किसी भी प्रकार के दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एस आईआर 2026 के अंतर्गत 30 जून से प्रारंभ होने वाले इन्यूमरेशन गणना चरण के संबंध में उपायुक्त -सह- जिला निर्वाचन पदाधिकारी साहिबगंज ने समाहरणालय सभागार में प्रेस वार्ता आयोजित की।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण की अर्हता तिथि 1 अक्टूबर 2026 निर्धारित है। उन्होंने बताया कि 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराएंगे तथा नियमानुसार भरे हुए प्रपत्र प्राप्त करेंगे। इस अवधि में मतदान केंद्रों के युक्तिकरण का कार्य भी पूर्ण किया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि 5 अगस्त 2026 को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन किया जाएगा। इसके बाद 5 अगस्त से 3 अक्टूबर 2026 तक दावा एवं आपत्ति प्राप्त करने, अनमैप्ड मतदाताओं एवं अन्य विसंगतियों के संबंध में नोटिस निर्गत करने, सुनवाई एवं दावों के निस्तारण की प्रक्रिया चलेगी। 7 अक्टूबर 2026 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि वर्तमान प्रक्रिया दो प्रमुख चरणों में संपन्न होगी। प्रथम चरण में घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण एवं संग्रहण किया जाएगा, जबकि द्वितीय चरण में प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद दावा एवं आपत्ति की प्रक्रिया संचालित होगी, जिसमें नियमानुसार फॉर्म-6 एवं फॉर्म-7 भी स्वीकार किए जाएंगे।उपायुक्त ने बताया कि पिछले दिनों जिले के सभी बीएलओ, सुपरवाइजर, वोलंटियर्स तथा निर्वाचन कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मियों का प्रशिक्षण पूर्ण किया जा चुका है। निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निदेर्शानुसार संपूर्ण प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा में एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराई जाएगी।उन्होंने बताया कि 30 जून को पूर्वाह्न 11 बजे जिले के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ, बीएलए-2 एवं इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के सदस्यों की उपस्थिति में दो पृष्ठीय जागरूकता पत्रक का वाचन कर इन्यूमरेशन चरण का औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा। निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार किए गए विभिन्न आईईसी प्रचार सामग्री एवं जागरूकता वीडियो भी सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से प्रसारित किए जाएंगे ताकि मतदाताओं तक सही जानकारी पहुंचे किसी प्रकार की भ्रांतियों का निवारण हो सके। और इन्यूमरेशन चरण में प्रत्येक बीएलए-2 अधिकतम 50 गणना प्रपत्र मतदाताओं से प्राप्त कर निर्धारित घोषणा-पत्र के साथ बीएलओ को उपलब्ध करा सकते हैं। वहीं दावा एवं आपत्ति चरण में नियमानुसार एक दिन में अधिकतम 10 व संपूर्ण अवधि में अधिकतम 30 आवेदन पत्र जमा किए जा सकते हैं।प्रेस वार्ता के दौरान पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि इन्यूमरेशन चरण में किसी भी प्रकार के दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है। दस्तावेज केवल दावा एवं आपत्ति चरण में अथवा संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी द्वारा जारी नोटिस के उपरांत निर्धारित प्रावधानों के अनुसार लिए जाएंगे। यह भी बताया कि यदि किसी मतदाता के घर पहली बार बीएलओ के पहुंचने पर संपर्क नहीं हो पाता है तो निर्धारित अवधि के भीतर तीन बार घर जाकर गणना प्रपत्र उपलब्ध कराने एवं प्राप्त करने का प्रयास किया जाएगा । मीडिया प्रतिनिधियों से अपील की कि वे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम से संबंधित सही व प्रमाणिक जानकारी आमजन तक पहुंचाने में जिला प्रशासन का सहयोग करें। ताकि किसी भी प्रकार की भ्रांति से बचें। इस अवसर पर निवार्ची पदाधिकारी बरहेट सह अपर समाहर्ता विजय कुमार, परियोजना निदेशक आईटीडीए -सह- जिला जनसंपर्क पदाधिकारी संजय कुमार दास, उप निर्वाचन पदाधिकारी कुमुदिनी टुडू, उपस्थित थे।

महिलाओं को अधिकारों व सशक्तिकरण की दी गई जानकारी

संवाददाता

साहिबगंज : बरहेट बाजार में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी साहिबगंज सह केन्द्र प्रशासक, सखी वन स्टॉप सेंटर साहिबगंज पूनम कुमारी की अध्यक्षता में नारी अदालत की बैठक आयोजित की गई।बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष महोदया ने नारी शक्ति महिला सशक्तिकरण व महिलाओं के अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना आवश्यक है तथा समाज में समान अवसर एवं सम्मान प्राप्त करने के लिए आत्मनिर्भर और सशक्त बनना चाहिए। साथ ही महिलाओं से अपील की गई कि किसी भी प्रकार की घरेलू हिंसा उत्पीड़न भेदभाव या अन्य समस्याओं की स्थिति में नारी अदालत में अपने समस्या का समाधान करने व महिला हेल्प लाइन नंबर 181 को सूचना देकर सहायता प्राप्त करें।बैठक में उपस्थित

महिलाओं को महिला सुरक्षा कानूनी अधिकार, सरकारी योजनाओं तथा सामाजिक सहभागिता के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को जागरूक आत्मविश्वासी व न्याय प्राप्ति के प्रति प्रेरित करना था।इस कार्यक्रम में बरहेट बाजार मुखिया महिला पर्यवेक्षिका वार्ड सदस्य संरक्षण पदाधिकारी गैर संस्थागत देख रेख साहिबगंज कार्यक्रम अधिकारी सी3 चाइल्ड हेल्प लाइन साहिबगंज के परियोजना समन्वयक एवं अन्य गणमान्य महिला उपस्थित रहे। नारी अदालत का प्रत्येक महीने में दो बार बैठक करना है। अपने पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान चलाना है। ताकि आम महिलाओं को जागरूक किया जाए।साथ ही बाल मित्र पुलिस पदाधिकारी रांगा व थाना प्रभारी से औपचारिक मुलाकात कर बच्चों से संबंधित सभी प्रकार के कानूनी जानकारी दी गई।

सीआईबी की कार्रवाई में मोबाइल चोर गिरफ्तार, चोरी के 3 मोबाइल बरामद

संवाददाता

साहिबगंज : आरपीएफ इंस्पेक्टर बरहरवा संजीव कुमार के नेतृत्व में आरपीएफ सीआईबी मालदा की टीम जिसमे उपनिरीक्षक नन्दन कुमार सिंह हेड कांस्टेबल स्वपन कुमार घोष और हेड कांस्टेबल नूपुर बरन मीडिया और आरपीएफ पोस्ट बड़हरवा के सहायक उपनिरीक्षक अजय कुमार हंसदा के साथ बरहरवा रेलवे स्टेशन पर रात्रि 1बजे असामाजिक तत्वों के विरुद्ध संयुक्त जांच एवं छापामारी अभियान चलाया जा रहा था।समय लगभग 01:24 बजे ट्रेन संख्या 63075 रामपुरहाट-बरहरवा पैसेंजर के प्लेटफॉर्म संख्या 4 पर आगमन के दौरान संयुक्त टीम ने एफओबी रैम्प के नीचे एक संदिग्ध व्यक्ति को खड़ा पाया। पूछताछ व तलाशी लेने पर उसकी कमर से छिपाकर रखे गए 03 चोरी के मोबाइल फोन बरामद हुए।इसके अतिरिक्त उसके पास से एक रेडमी-8

मोबाइल फोन भी मिला,जो उसका निजी फोन था।पूछताछ में उसने अपना नाम आसिक शेख उम्र 26 वर्ष ,पिता केताब शेख,निवासी मियापाड़ा, खालतीपुर, थाना कालियाचक, जिला मालदा प.बंगाल बताया तथा स्वीकार किया कि बरामद 3 मोबाइल फोन जिसमे से 2 मोबाइल फोन उसने ट्रेन संख्या 13148 उत्तरबंगा एक्सप्रेस एवं 01 मोबाइल फोन ट्रेन संख्या 63075 रामपुरहाटझबरहरवा पैसेंजर में यात्रियों से चोरी किए थे।अभियुक्त ने यह भी स्वीकार किया कि वह आदतन यात्रियों के मोबाइल फोन चोरी कर उन्हें बेचकर अवैध आर्थिक लाभ अर्जित करता है।जब कड़ाई से पूछताछ की गई तो पता चला कि 2-3 केसो में लोकल थाना कालियाचक में इसके विरुद्ध चोरी डकैती जैसे अपराधों में कैसे दर्ज है।सभी कानूनी औपचारिकताएँ पूर्ण कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया । जबकि बरामद 3 मोबाइल फोन एवं लिखित शिकायत पत्र के साथ अग्रिम कानूनी कार्रवाई हेतु जीआरपी बरहरवा को सुपुर्द किया गया।

कमजोर बारिश के कारण पिछड़ रही है खेती

बरकट्ठा : प्रखंड क्षेत्र में कमजोर बारिश और मॉनसून के बेरुखी से खेती पिछड़ रही है। खासकर धान की खेती प्रभावित हो रही है। आद्रा नक्षत्र में खेत में नमी और पानी के जगह सूखा पड़ा हुआ है। खेतों से उड़ रहे धूल को देखकर किसान चिंतित हैं। किसान अच्छी बारिश के इंतजार में हैं लेकिन आसमान में केवल बादल उमड़ घुमड़ रहा है। आसमान में छाए बादल बरस नहीं रहा है। इस वजह से किसान केवल बादलों पर टकटकी लगाए बैठे हैं। हालांकि कभी कभी बूंदाबांदी होती है। लेकिन पर्याप्त वर्षा नहीं हो रही है। हर वर्ष रोहिणी नक्षत्र में किसान अपने खेतों में धान के बिचड़ा के लिए बीज डाल देते थे।

लेकिन इस बार आद्रा नक्षत्र में भी बीज नहीं लगा पाने को लेकर किसानों में इसका मलाल उनके चेहरे पर साफ देखा जा रहा है। जो किसान खेतों की जुताई कर चुके हैं उसमें अब केवल धूल ही उड़ा रहा है। मौसम के बदलते मिजाज और बिगड़ते हालात को देख किसान पाचु महतो चिंता जताते हुए कहते हैं कि जल्दी ही अच्छी बारिश नहीं हुई तो धान की खेती एकदम पिछड़ जाएगी। धान के उत्पादन में कमी आएगी। वहीं किसान संजय यादव ने बताया कि जून समाप्त हो गया और अब तक किसान लोग खेतों में बीज भी नहीं डाल पायें है। वहीं मुकेश यादव ने बताया कि बारिश नहीं होने से किसान चिंतित हैं। समय रहते बारिश नहीं हुई तो किसानों के आर्थिक हालात बिगड़ जाएंगे।

जेबीसीसीआई-12 गठन की मांग को लेकर कोयला क्षेत्र में मांग दिवस

चुरचू : संयुक्त ट्रेड यूनियन मोर्चा ने जेबीसीसीआई-12 के गठन में हो रही देरी के विरोध में 1 जुलाई को देशभर के सभी कोयला क्षेत्रों में मांग दिवस मनाने का निर्णय लिया है। मोर्चा के अनुसार वेतन पुनरीक्षण लंबित रहने से लाखों कोयला कर्मियों के हित प्रभावित हो रहे हैं। इस दिन सभी परियोजनाओं में कोलियरी स्तरीय बैठकें कर कर्मचारियों को देरी के दुष्परिणामों से अवगत कराया जाएगा तथा कोल इंडिया प्रबंधन और भारत सरकार से शीघ्र जेबीसीसीआई-12 का गठन कर वेतन समझौते की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की जाएगी। संयुक्त ट्रेड यूनियन मोर्चा ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समिति का गठन नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

बच्चे को सुरक्षित माहौल बेहतर शिक्षा उत्तम स्वास्थ्य और मजबूत संरक्षण मिलना मौलिक अधिकार है : पूनम कमारी

संवाददाता

साहिबगंज : बेटियों को सुरक्षित वातावरण देने, उनकी शिक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से पतना प्रखंड के अंतर्गत बिशनपुर उच्च विधालय में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास के निदेर्शानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।यह कार्यक्रम पतना प्रखंड के अंतर्गत बिशनपुर उच्च विधालय में आयोजित हुआ।जिसमें बालिकाओं के सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया।

आत्मरक्षा और आत्मनिर्भरता का दिया गया संदेश

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित माहौल, बेहतर शिक्षा, उत्तम स्वास्थ्य और मजबूत संरक्षण मिलना उनका मौलिक

अधिकार है। उन्होंने समाज के हर नागरिक से अपील की कि वे बच्चों के हितों की रक्षा में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को विपरीत परिस्थितियों में साहस के साथ खड़े होनेआत्मनिर्भर बनने और आत्मरक्षा के कौशल सीखने के लिए प्रेरित किया गया।

महत्वपूर्ण कानूनों और सरकारी योजनाओं की दी गई विस्तृत जानकारी

इस सत्र के दौरान छात्राओं को गंभीर और संवेदनशील विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई, जिसमें मुख्य रूप से शामिल थे।सुरक्षा और कानून

गुड टच-बैड टच की समझ बाल विवाह और बाल श्रम का विरोध यौन शोषण से बचाव पोक्सो एक्ट और किशोर न्याय अधिनियम।कल्याणकारी योजनाएं

सावित्रीबाई फूले किशोरी समृद्धि योजना स्पॉन्सरशिप फोस्टर केयर आफ्टर केयर और दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया।सहायता केंद्र सखी वन स्टॉप सेंटर और आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर्स की जानकारी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना की सूचना तुरंत संबंधित विभागों तक पहुंचाई जा सके।माहवारी स्वच्छता पर भी किया गया जागरूक स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ाते हुए बच्चियों को माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के बारे में भी जागरूक किया गया और झिझक तोड़कर स्वच्छता अपनाने की सलाह दी गई। इसके साथ ही युवाओं को नशा मुक्ति के प्रति भी संकल्प दिलाया गया।इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मोहम्मद खालिद गैर-संस्थागत देखरेख की संरक्षण पदाधिकारी चंदा कुमारी, परियोजना समन्वयक चाइल्ड लाइन से मोहम्मद इकबाल मंथन संस्था के समाजिक कार्यकर्ता आराधना मंडल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मौके स्कूल के सभी शिक्षक शिक्षिका एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थीं।

'द आर्चीज' मेरे लिए फिल्म नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला मौका थी

अभिनेता वेदांग रैना इन दिनों अपनी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच अभिनेता ने अपनी डेब्यू फिल्म 'द आर्चीज' को लेकर खुलकर बात की। बातचीत में वेदांग रैना ने बताया कि 'द आर्चीज' उनके लिए सिर्फ पहली फिल्म नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला मौका थी। अभिनेता ने कहा, 'अगर 'द आर्चीज' मुझे नहीं मिलती, तो शायद मेरी जिंदगी बिल्कुल अलग दिशा में जा रही होती। उस समय मैं नौकरी ढूंढ रहा था और एमबीए के लिए आवेदन करने की तैयारी भी कर रहा था। मैं एक ऐसे मोड़ पर था, जहां मेरा भविष्य कुछ और ही हो सकता था।'

फिल्म रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर हुई आलोचना और ट्रोलिंग को लेकर वेदांग ने कहा कि उन्होंने कभी भी इन बातों को खुद पर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो मैंने उस पूरे अनुभव को कभी उस नजरिए से देखा ही नहीं। मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह थी कि मैं पहली बार इतने बड़े स्तर पर स्क्रीन पर नजर आ रहा था और लोग मेरा काम देख रहे थे। मैं उस मौके के लिए बेहद खुश था।'

वेदांग ने साफ कहा कि लोगों की राय अपनी जगह है। लेकिन उनके लिए यह फिल्म सपनों को सच करने वाला मौका साबित हुई। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए उस फिल्म का मतलब सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं था, उसने मेरी पूरी जिंदगी बदल दी। इसलिए मैंने हमेशा उस अनुभव को अच्छे नजरिए से देखा। लोगों की राय अपनी जगह है, लेकिन मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह थी कि मुझे ऐसा मौका मिला, जिसने मेरे सपनों को सच कर दिया। आज भी मैं उस मौके के लिए बेहद शुक्रगुजार हूं।'

वेदांग रैना ने यह भी बताया कि 'द आर्चीज' की पूरी स्टारकास्ट आज भी एक-दूसरे के संपर्क में रहती है। हालांकि सभी अपने-अपने काम में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, 'हम टच में हैं। सब लोग बहुत बिजी हो जाते हैं। जब मैं शूट कर रहा होता हूं तो बाकी लोग अपने काम में लगे होते हैं। सबकी अपनी-अपनी जर्नी है, लेकिन हम एक-दूसरे को मैसेज करते रहते हैं। किसी की फिल्म आती है तो उसे बधाई भी देते हैं।' बता दें कि 'द आर्चीज' 7 दिसंबर 2023 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

हॉरर फिल्म शैली में कदम रखने जा रही हैं जैकलीन फर्नांडीज

जैकलीन फर्नांडीज जल्द ही अपनी पहली पूर्ण हॉरर फिल्म के साथ इस शैली में कदम रखने जा रही हैं। अभिनेत्री काफी समय से इस जॉनर में एक मजबूत और अलग कहानी की तलाश में थीं और अब उन्हें ऐसा प्रोजेक्ट मिल गया है जिसने उन्हें बेहद उत्साहित कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, यह फिल्म हॉरर, इमोशन और म्यूजिक का बेहतरीन मिश्रण होगी, जो दर्शकों को एक संपूर्ण सिनेमाई अनुभव देगी। फिल्म में जैकलीन मुख्य भूमिका निभाएंगी, जबकि दो मेल एक्टर्स को पहले ही फाइनल किया जा चुका है। फिलहाल फिल्म का टाइटल, अन्य कलाकारों के नाम और निर्देशक की जानकारी गुप्त रखी गई है।इस फिल्म का निर्माण ख्याति मदान के बैनर नॉट आउट एंटरटेनमेंट के तहत बड़े स्तर पर किया जाएगा। फिल्म की आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।सूत्रों का यह भी कहना है कि फिल्म का एक टीज़र और एक गाना पहले ही शूट किया जा चुका है, जबकि कलाकार इन दिनों वर्कशॉप्स में हिस्सा ले रहे हैं। फिल्म की शूटिंग इस महीने के अंत तक शुरू होने की संभावना है।दिलचस्प बात यह है कि जैकलीन इससे पहले भूत पुलिस में नजर आ चुकी हैं, लेकिन वह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म थी। यह नई फिल्म उनके करियर की पहली पूरी तरह हॉरर फिल्म होगी।वर्क फ्रंट की बात करें तो जैकलीन हाल ही में हाउसफुल 5 में नजर आई थीं और अब वह वेलकम टू द जंगल में दिखाई देंगी, जो 26 जून 2026 को रिलीज होने वाली है।

निर्देशक नेल्सन के साथ काम करना चाहते हैं सूर्या

सुपरस्टार सूर्या इन दिनों अपनी फिल्म 'करुप्पू' की सफलता का जश्न मना रहे हैं। सिनेमाघरों के बाद फिल्म प्राइम वीडियो पर आ चुकी है, जहां इसे लोगों से भरपूर प्यार मिल रहा है। इस बीच, खबर है कि सूर्या अपनी आगामी फिल्मों की तैयारी में जुट गए हैं। ऐसी चर्चा है कि वह अपनी 50वीं फिल्म के लिए निर्देशक नेल्सन दिलीपकुमार के साथ काम करना चाहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'सूर्या निर्देशक नेल्सन के साथ फिल्म 'सूर्या 50' में काम करने के इच्छुक हैं। बताया जा रहा है कि सूर्या की टीम ने इस कॉमेडी फिल्म में संभावित सहयोग के लिए निर्देशक से संपर्क भी किया है। हालांकि नेल्सन अभी रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' में बिजी हैं। फिलहाल दोनों के सहयोग की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।' सूर्या की अगली फिल्म 'विश्वनाथ एंड संस' हैं। इसमें उनके साथ एक्ट्रेस मामिता बैजू दिखाई आएंगी। यह फिल्म 14 अगस्त को रिलीज होने के लिए तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इसकी टक्कर सनी देओल की आगामी फिल्म 'बटवारा 1947' और इमरान हाशमी की फिल्म 'आवारापन 2' के साथ होगी।

'ढिंढोरा 2' लेकर आएंगे भुवन बाम, शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' का हिस्सा भी बनेंगे

यूट्यबर से एक्टर बने भुवन बाम की वेब सीरीज 'ढिंढोरा 2' जल्द ही दर्शकों को देखने को मिलेगी। इसकी शूटिंग वह इन दिनों कर रहे हैं। इस वेब सीरीज में एक नए किरदार की एंट्री भी होने वाली है। समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' ने भुवन ने अपनी वेब सीरीज की शूटिंग का जिक्र किया। साथ ही समय रैना के शो में आने की बात भी कही।

सोशल मीडिया पर की घोषणा

भुवन बाम ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर शो 'ढिंढोरा 2' की घोषणा की। वह सीरीज के किरदार टीटू मामा के गेटअप में नजर आए। उनके साथ एक महिला किरदार भी खड़ी दिखीं। 'ढिंढोरा 2' में वह इस बार नए किरदार की एंट्री करेंगे। समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' के पहले एपिसोड में भी भुवन बाम ने फोन बताया कि वह 'ढिंढोरा 2' की शूटिंग कर रहे हैं। दरअसल, समय रैना ने एक प्रतियोगी की बात फोन पर भुवन बाम से करवाई थी, वह प्रतियोगी भुवन का बहुत बड़ा फैन था।

'ढिंढोरा 2' को भुवन ने ही लिखा है

'ढिंढोरा 2' को भुवन बाम, अब्बास दलाल, हुसैन दलाल, चेतन डांगे, गोपाल दत्त, शुभम दुबे और अनंत दुबे ने लिखा है। इसे रोहित राज और भुवन बाम ने प्रोड्यूस किया है। इस वेब सीरीज के पहले सीजन को फैंस ने खूब पसंद किया था। मल्टी टैलेंटेड हैं भुवन बाम भुवन बाम एक चर्चित कॉमेडियन, एक्टर, राइटर, सिंगर और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर हैं। उन्होंने यूट्यूब पर भारत में ऑनलाइन स्केच कॉमेडी की शुरुआत की थी।

रुक्मिणी वसंत के साथ फिल्म बनाने जा रहे हैं नानी

साउथ के अभिनेता और फिल्ममेकर नानी अपने प्रोडक्शन हाउस 'वॉल पोस्टर सिनेमा' के तहत एक फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं। खास बात यह है कि इसमें लीड एक्ट्रेस के तौर पर 'कांतारा चैप्टर 1' की अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत को कास्ट किया गया है। खबरों के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट को मुरलीकांत देवसोथ डायरेक्ट करेंगे। इस फिल्ममेकर को पहले अपनी रूरल ड्रामा फिल्म 'धंडोरा' के लिए तारीफ मिल चुकी है।

स्क्रिप्ट और प्री-प्रोडक्शन का काम जारी

नानी की टीम अभी स्क्रिप्ट और प्री-प्रोडक्शन के दूसरे कामों पर काम कर रही है। सूत्रों का कहना है कि मुरलीकांत कहानी को फाइनल टच दे रहे हैं और साथ ही सपोर्टिंग कास्ट और टेक्निकल क्रू को भी तय कर रहे हैं। मेकर्स फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले हर पहलू की सावधानी से प्लानिंग कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में एक बड़ी अपडेट फीमेल लीड का चुनाव है। खबर है कि हीरोइन के रोल के लिए एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत को चुना गया है। एक्ट्रेस ने फिल्म का हिस्सा बनने के लिए हामी भर दी है। रुक्मिणी अपनी परफॉर्मेंस के लिए चर्चा में रही हैं। खबर है कि इस फिल्म के लिए लीड एक्टर की तलाश अभी जारी है। प्रोडक्शन टीम ऐसे सही एक्टर की तलाश में है जो कहानी में फिट बैठे और किरदार में जान डाल सके। हीरो के तय होने के बाद, मेकर्स के इस प्रोजेक्ट के बारे में ऑफिशियल अनाउंसमेंट करने की उम्मीद है। फिल्म की शूटिंग अगस्त में शुरू होने की संभावना है। तब तक टीम तैयारी जारी रखेगी और जरूरी शुरुआती काम पूरे कर लेगी। चूंकि फिल्म नानी के बैनर तले बन रही है, इसलिए फिल्म प्रेमियों के बीच अभी से उम्मीदें बढ़ रही हैं।

फीफा विश्व कप 2026: मोरक्को ने शूटआउट में नीदरलैंड्स को हराकर अंतिम-16 में बनाई जगह

एजेंसी

मेक्सिको : फीफा विश्व कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में मंगलवार को मोरक्को ने रोमांचक मुकाबले में नीदरलैंड्स को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर अंतिम-16 में प्रवेश कर लिया। निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ था। मोरक्को के गोलकीपर यासीन बूनू ने शूटआउट में शानदार प्रदर्शन करते हुए नीदरलैंड्स के चौथे पेनल्टी शॉट को रोक दिया। इसके बाद इस्माइल साइबारी ने निर्णायक पेनल्टी को गोल में बदलकर अपनी टीम को यादगार जीत दिलाई। अब अंतिम-16 में मोरक्को का सामना कनाडा से होगा। गाक्पो ने दिलाई बढ़त, लेकिन दियोप ने इंजरी टाइम में किया बराबरी का गोल दूसरे हाफ के मध्य में कोडी गाक्पो ने गोल कर नीदरलैंड्स को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह गोल उनके लिए भावनात्मक भी रहा क्योंकि कुछ दिन पहले ही उनकी साथी ने अपने अजन्मे बच्चे के निधन की जानकारी दी थी। गोल के बाद गाक्पो भावुक हो गए और साथी खिलाड़ियों ने उन्हें घेरकर सांत्वना दी। हालांकि, मुकाबले के पहले मिनट के इंजरी टाइम में इसा दियोप ने चेम्सदीन ताल्बी के क्रॉस पर शानदार हेडर लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया और मैच को अतिरिक्त समय में पहुंचा दिया।

मोरक्को ने बनाए ज्यादा मौके

पहले हाफ में मोरक्को ने अधिक खतरनाक मौके बनाए। नील एल आयनाउई और अशरफ हकीमी के प्रयासों को नीदरलैंड्स के गोलकीपर बार्ट वब्रुगेन ने शानदार बचाव करते हुए विफल कर दिया। नीदरलैंड्स के पास भी कुछ मौके आए, लेकिन मोरक्को के गोलकीपर यासीन बूनू ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को मैच में बनाए रखा।

फीफा विश्व कप 2026 : पैराग्वे ने किया बड़ा उलटफेर, जर्मनी को हराकरअंतिम-16 में किया प्रवेश

एजेंसी

फॉक्सबोरो (बोस्टन) : चार बार की विश्व चैंपियन जर्मनी का फीफा विश्व कप 2026 का सफर सोमवार को सनसनीखेज अंदाज में समाप्त हो गया। पैराग्वे ने 120 मिनट तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहने के बाद पेनल्टी शूटआउट में जर्मनी को 4-3 से हराकर टूर्नामेंट के अंतिम-16 में जगह बना ली। निर्णायक पेनल्टी जोसे कैनाले ने गोल में बदलकर पैराग्वे को ऐतिहासिक जीत दिलाई। यह विश्व कप इतिहास में पैराग्वे की सबसे बड़ी जीत मानी जा रही है। 2010 में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाली टीम ने लंबे अंतराल के बाद विश्व कप में वापसी करते हुए अब प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। अब उसका सामना फ्रांस और

स्वीडन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा। जर्मनी ने मैच की शुरूआत से ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा। कोच जूलियन नागेल्समैन ने आक्रामक रणनीति अपनाते हुए इस विश्व कप में तीन गोल और दो असिस्ट करने वाले डेनिज उंडाव को पहली बार शुरूआती एकादश में शामिल किया। जर्मनी ने पहले हाफ में लगातार दबाव बनाया, लेकिन कोई भी शॉट लक्ष्य पर नहीं लगा सका।

इसका फायदा पैराग्वे ने 35वें मिनट के बाद उठाया। मिगुएल अल्मीरोन की वापसी के साथ टीम ने शानदार जवाबी हमला किया और जूलियो एनसिसो ने दमदार हेडर के जरिए गोल कर पैराग्वे को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह विश्व कप के नॉकआउट चरण में पैराग्वे का पहला गोल भी था।

दूसरे हाफ में जर्मनी ने वापसी की। 54वें मिनट में फ्लोरियन विर्ट्ज. के सटीक क्रॉस पर काई हैवर्ट्ज.ने हेडर लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन कोई भी निर्णायक बढ़त नहीं बना सका। अतिरिक्त समय में जर्मनी ने 102वें मिनट में जोनाथन ताह के हेडर से गोल किया, लेकिन लंबी श्अफ समीक्षा के बाद गोलकीपर पर फाउल मानते हुए इसे रद्द कर दिया गया। मुकाबले का फैसला पेनल्टी शूटआउट में हुआ। जर्मनी की ओर से काई हैवर्ट्ज, निक वोल्टेमाडे और जोनाथन ताह अपने प्रयास में असफल रहे। पैराग्वे ने भी दो पेनल्टी गंवाईं, लेकिन अंत में जोसे कैनाले ने निर्णायक पेनल्टी गोल में बदलकर अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिला दी।

एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित, हरमनप्रीत कौर को मिली कप्तानी

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने सितंबर 2026 में जापान के ऐची-नागोया में होने वाले 2026 एशियाई खेलों के लिए मंगलवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान एक बार फिर हरमनप्रीत कौर को सौंपी गई है, जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तान होंगी। भारतीय महिला टीम इस टूर्नामेंट में गत चैंपियन के रूप में उतरेगी। भारत ने 2023 में चीन के हांगझोऊ में आयोजित एशियाई खेलों में महिला क्रिकेट का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। अब टीम उस सफलता को दोहराने के इरादे से जापान जाएगी। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा प्रतिभाओं को भी मौका दिया गया है। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, विकेटकीपर ऋचा घोष और जी. कमलिनी टीम का हिस्सा हैं। वहीं गेंदबाजी विभाग में रेणुका ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, राधा यादव, श्री चरणी, क्रांति गौड़ और नंदिनी शर्मा को शामिल किया गया है। हालांकि, ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल का चयन उनकी फिटनेस क्लियरेंस के अधीन रखा गया है।

2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय महिला टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, विकेटकीपर ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पाटिल* (फिटनेस क्लियरेंस के अधीन), राधा यादव, नंदिनी शर्मा।

मप्र: मुख्यमंत्री आज राजगढ़ जिले के 352 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण

✔ मुख्यमंत्री डॉ. यादव भैंसवामाता में करेंगे जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज मंगलवार को राजगढ़ जिले के विकासखंड सारंगपुर अंतर्गत भैंसवामाता मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर राजगढ़ जिले के 352 करोड रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन करेंगे।

जनसम्पर्क अधिकारी अनुराग उइके ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, तकनीकी शिक्षा व कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल, सांसद रोडमल नागर भी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोपहर 1:45 बजे भैंसवामाता पहुंचकर दर्शन-पूजन करेंगे। इसके बाद दूध तलैया में गंगा पूजन, गौ-पूजन एवं पौधरोपण कार्यक्रम में भाग लेंगे। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान 2.0 की प्रदर्शनी का अवलोकन कर जिले में संचालित जल संरक्षण एवं पर्यावरणीय नवाचारों की जानकारी प्राप्त करेंगे।

जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, कार्यक्रम में राजगढ़ जिले की पर्यटन फिल्म, कॉफी टेबल बुक एवं सोशल मीडिया हैंडल का अनावरण किया जाएगा। साथ ही जिले में कराए गए विकास कार्यों पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, जल संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता पर अपने विचार रखेंगे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न हितग्राहियों को योजनाओं के अंतर्गत हितलाभ भी वितरित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने के साथ उनके संरक्षण के उद्देश्य से शुरू किए गए 'जल गंगा संवर्धन अभियान-2026' का गरिमामय समापन होने जा रहा है। अभियान की इस अल्पावधि में ग्रामीण, नगरीय, वन, सिंचाई, शिक्षा और औद्योगिक क्षेत्रों सहित विभिन्न स्तरों पर लगभग 3.62 लाख से अधिक जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य सफलतापूर्वक क्रियान्वित किये गये हैं। इस महा-अभियान ने पूरे प्रदेश में भू-जल संवर्धन, जल गुणवत्ता परीक्षण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, नदी पुनर्जीवन और जन-जागरूकता की एक नई चेतना जागृत की है।

जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, क्षेत्रीय सांसदों को भी इस अभियान के समापन में प्रमुख भागीदारी दी गई है। शहडोल में हिमाद्री सिंह, भिण्ड में संध्या राय, बालाघाट में भारती पारधी, रतलाम में अनिता नागर सिंह चौहान, बड़वानी में गजेन्द्र पटेल, सीधी में डॉ. राजेश मिश्रा, मंदसौर में सुधीर गुप्ता, श्योपुर में शिवमंगल सिंह तोमर, छिंदवाड़ा में बंटी विवेक साहू और जबलपुर में आशीष दुबे मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। वहीं, नीमच जिले में राज्यसभा सदस्य बंशीलाल गुर्जर मुख्य अतिथि की भूमिका निभाएंगे। जिला स्तरीय समारोह का मुख्य उद्देश्य अभियान की उपलब्धियों को सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत करना और जल संरक्षण के प्रति समाज की निरंतर प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना है। कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण, सुरक्षा और श्रमदान में उत्कृष्ट योगदान देने वाली ग्राम पंचायतों, जनपद पंचायतों, शासकीय विभागों, जागरूक नागरिकों, स्वयंसेवी संगठनों, जलदूतों, महिला स्व-सहायता समूहों, युवा समूहों, किसानों और शैक्षणिक व निजी संस्थाओं को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही, समारोह स्थल पर जल संरचनाओं की पूर्व एवं वर्तमान स्थिति, नवाचारों और सफलता की कहानियों पर आधारित एक आकर्षक प्रदर्शनी लगाई जाएगी तथा एक विशेष ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति (लघु फिल्म) भी दिखाई जाएगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया जाएगा और उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों व नागरिकों को जल संवर्धन व रख-रखाव का सामूहिक संकल्प दिलाया जाएगा।

मणिपुर के डीजीपी ने काकचिंग एवं चंदेल जिलों का दौर कर सुरक्षा तैयारियों का लिया जायजा

✔ डीजीपी ने पीएचक्यू में स्पेशल कमांडो यूनिट के अधिकारियों और कमांडरों से की चर्चा

एजेंसी

इंफाल : मणिपुर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मुकेश सिंह ने एडीजीपी (एल एंड ओ) के साथ मिलकर सोमवार को काकचिंग ज़िले, लेइकुन में 8वीं मणिपुर राइफल्स (एमआर) के मुख्यालय और चंदेल ज़िले का दौरा किया। इस दौरे का मकसद सुरक्षा तैयारियों, पुलिसिंग और विभागीय कल्याण कार्यों का जायजा लेना था। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा आज दी गयी आधिकारिक जानकारी में बताया गया है कि काकचिंग ज़िले में, डीजीपी ने खेती के मौजूदा मौसम के दौरान संवेदनशील इलाकों में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए ज़िला पुलिस की तैयारियों की समीक्षा की। ज़िला पुलिस, सीएपीएफ और केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए, उन्होंने प्रभावी जांच, मामलों के तेजी से निपटारे, राष्ट्र-विरोधी तत्वों और ड्रग्स तस्करों के खिलाफ लगातार ऑपरेशन चलाने और अवैध हथियारों एवं गोला-बारूद की बरामदगी के लिए प्रयासों को तेज करने पर जोर दिया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बेहतरीन पेशेवर रवैया दिखाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को उचित इनाम दिया जाएगा। डीजीपी ने काकचिंग ज़िला पुलिस की 'साइकिल पेट्रोल' पहल की भी तारीफ की, जो बीट पुलिसिंग का एक असरदार मॉडल है। उन्होंने विभिन्न सीएसओ (नागरिक समाज संगठनों) के प्रतिनिधियों से भी बातचीत की। लेइकुन में 8वीं एमआर के मुख्यालय में, डीजीपी ने विभिन्न पोस्ट और आउटपोस्ट पर तैनाती, स्टैटिक गार्ड और कानून-व्यवस्था से जुड़ी ड्यूटी पर समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को यूनिट के भीतर सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करते हुए पेशेवर रवैये, अनुशासन और काम के अच्छे तरीकों पर जोर दिया।

हिमाचल में एक हफ्ते तक भारी बारिश की चेतावनी, 2 से 4 जुलाई के लिए ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश में अगले एक सप्ताह तक मौसम के तेवर तीखे रहने के आसार हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के शिमला केंद्र ने राज्य के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मॉनसून अगले दो दिनों के भीतर हिमाचल प्रदेश में प्रवेश कर सकता है। फिलहाल मॉनसून की उत्तरी सीमा गुजरात, मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार और उत्तराखंड की ओर बढ़ रही है तथा परिस्थितियां हिमाचल प्रदेश के कुछ भागों में इसके आगे बढ़ने के लिए अनुकूल बनी हुई हैं। मौसम विभाग ने आगामी 6 जुलाई तक प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए चेतावनी जारी की है। आज कुछ स्थानों पर 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के साथ गरज-चमक की संभावना जताई गई है। एक जुलाई को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा और तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान का येलो अलर्ट जारी किया गया है। दो जुलाई से मौसम और अधिक सक्रिय होने का अनुमान है। इस दिन अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 3 और 4 जुलाई को भी प्रदेश के कई क्षेत्रों में बहुत भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट रहेगा। इन तीन दिनों के दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं तथा बिजली गिरने की घटनाएं भी हो सकती हैं। 5 और 6 जुलाई को भारी वर्षा का येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने लोगों को नदी-नालों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने तथा मौसम संबंधी चेतावनियों पर नजर रखने की सलाह दी है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के कई क्षेत्रों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 55 मिलीमीटर वर्षा गोहर में रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा मंडी में 45.6 मिलीमीटर, बरठीं में 42.6 मिलीमीटर, रायपुर मैदान में 41 मिलीमीटर, सुंदरनगर में 31.4

यमुना एक्सप्रेस-वे पर हादसा, चार लोगों की मौत, 20 घायल

एजेंसी

मथुरा : उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर आज तड़के करीब साढ़े तीन बजे लखनऊ से दिल्ली जा रही एक तेज रफ्तार वोल्वो बस आगे चल रहे गिट्टी से लदे ट्रेलर में पीछे से जा घुसी। हादसे में चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 20 लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा ट्रेलर में घुसकर पूरी तरह पिचक गया। हादसा एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 112 से 113 के बीच राया कट से करीब दो किलोमीटर पहले हुआ। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस, फायर सर्विस, एसडीआरएफ और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं। स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस अधीक्षक (देहात) सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि गिट्टी से लदा ट्रेलर अपनी लेन में जा रहा था, तभी पीछे से आ रही गोला बस सर्विस की वोल्वो बस अनियंत्रित होकर ट्रेलर में जा घुसी। हादसे की सूचना सुबह 3:35 बजे कंट्रोल रूम को मिली, जिसके बाद 8 पीआरबी और 12 एंबुलेंस मौके पर भेजी गईं। घायलों को शीघ्र अस्पताल पहुंचाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर भी बनाया गया।

होर्मुज की स्थिति बेहद जटिल, ईरान ने कहा-बारूदी सुरंगें हटाने के काम में किसी दूसरे देश को शामिल नहीं करेगा

एजेंसी

तेहरान : ईरान ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति अभी भी संवेदनशील और बेहद जटिल बनी हुई है। ईरान के एक शीर्ष अधिकारी ने साफ किया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से बारूदी सुरंगें ईरान अकेले हटाएगा। इस काम में किसी भी दूसरे देश का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अधिकारी ने फ्रांस का नाम लेकर इस बारे में चेताया।

अमेरिकी चैनल सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के उप विदेशमंत्री काजेम गरीबाबादी ने सोमवार को कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते के तहत ईरान अकेले ही होर्मुज जलडमरूमध्य से बारूदी सुरंगें हटाने का काम करेगा। गरीबाबादी ने एक्स पर कहा कि ईरान किसी दूसरे देश को बारूदी सुरंगें हटाने के काम में शामिल नहीं होने देगा। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थितिसंवेदनशील और जटिल है। उन्होंने फ्रांस को सलाह दी कि वह अपनी उकसावे वाली हरकतों से इसे और जटिल न बनाए। इससे पहले सोमवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा था कि फ्रांस और ओमान जलडमरूमध्य से बारूदी सुरंगें हटाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। उधर, ईरान के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को इस बात से इनकार किया कि उसके अधिकारी मंगलवार को कतर में अमेरिकी अधिकारियों से मिलेंगे। ईरान के राष्ट्रपति ने सोमवार को कहा कि देश को कतर में रुकी हुई 6 अरब डॉलर की संपत्ति मिलने वाली है। ईरान की वित्तीय संपत्ति को बहाल करना अमेरिका-ईरान समझौता ज्ञापन की शर्तों में से एक है। इस बीच कानेर्गी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस के सीनियर फेलो एरॉन डेविड मिलर ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में पुरानी स्थिति का लौटना बहुत मुश्किल दिख रहा है। उन्होंने कहा कि प्रमुख जलमार्ग बाब अल-मंदेब और होर्मुज पर ईरान का पूरा नियंत्रण है।

सराफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान कमजोरी नजर आ रही है। भाव में आई गिरावट के कारण आज चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सराफा बाजार में सोना 1,850 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,020 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 770 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 900 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। चांदी के भाव में आज भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण आज देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,41,920 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,30,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज भी 2,39,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,42,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,41,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,41,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,32,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,41,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,41,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,42,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,41,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,42,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,30,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

ई-रिक्शा और ऑटो की टक्कर में दो की मौत, एक घायल

बुलंदशहर : उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर मंगलवार सुबह एक ई-रिक्शा और ऑटो की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में ई-रिक्शा चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया।पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना प्रभारी हीरेन्द्र सिंह ने बताया कि मंगलवार सुबह सिकंदराबाद क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर सचिन होटल के पास ई-रिक्शा और ऑटो की सीधी टक्कर हो गई। दुर्घटना में मृतकों में ई-रिक्शा चालक शब्बीर मुहल्ला गौरखी और सब्जी विक्रेता मुहल्ला छांसियावाड़ा निवासी बिन्नामी की मौत हो गई है। मुहल्ला पत्थरबाड़ा निवासी पुनीत घायल हो गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा तथा घायल को तत्काल उपचार के लिए निकटतम अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उनकी स्थिति गंभीर है। हाइवे पर दुर्घटना के तुरंत बाद वाहनों का लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात को सुचारू कराने का प्रयास किया।

निमार्णाधीन रेलवे साइट पर ग्रेनेड से हमला, कोई घायल नहीं

कार्बी आंगलोंग (असम): कार्बी आंगलोंग ज़िले में असम-नगालैंड सीमावर्ती क्षेत्र में बन रहे एक रेलवे परियोजना पर कथित तौर पर ग्रेनेड फेंका गया, लेकिन वह फटा नहीं, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ और न ही कोई नुकसान हुआ। इसकी जानकारी पुलिस अधिकारियों ने आज दी है। सूत्रों ने बताया है कि यह घटना सोमवार को दोपहर बाद धनसिरी इलाके के रोंगाफार साइडिंग में हुई, जहां अभी रेलवे का निर्माण कार्य चल रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, साइट पर फेंके जाने के बाद विस्फोटक डिवाइस फटा नहीं। नतीजतन, कोई भी कर्मचारी घायल नहीं हुआ और इंफ्रास्ट्रक्चर को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचा। घटना के बाद, सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। अधिकारी ग्रेनेड हमले से जुड़े हालात की जांच कर रहे हैं और इसके लिए ज़िम्मेदार लोगों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने अभी तक घटना के पीछे का कोई मकसद नहीं बताया है और आगे की जांच जारी है।

महिला से लूट करने वाले अंतरजनपदीय गैंग के दो बदमाश पुलिस मुठभेड़ में घायल, एक अन्य साथी बाद में गिरफ्तार

कानपुर : उत्तर प्रदेश के कानपुर में गुजैनी थाना क्षेत्र अंतर्गत बीती 21 जून को महिला से मंगलसूत्र और चेन लूटकर घर से भी जेवर मंगवाने की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने मंगलवार को खुलासा कर दिया। फतेहपुर दक्षिण मार्ग पर हुई पुलिस मुठभेड़ में अंतरजनपदीय गैंग के दो बदमाशों के पैर में गोली लगी, जबकि उनका तीसरा साथी भाग निकला, जिसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। मौके से लूट का माल, अवैध तमंचे, कारतूस और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद हुई। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने मंगलवार को बताया कि बनपुरवा-फतेहपुर दक्षिण मार्ग पर वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखते ही बदमाशों ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी फायरिंग में मोहम्मद अकरम और जावेद अख्तर उर्फ चिकना के पैर में गोली लगी और दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। तीसरा आरोपित अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला था, जिसे बाद में पुलिस ने दबोच लिया। पूछताछ में आरोपितों ने 21 जून को गुजैनी क्षेत्र में महिला से मंगलसूत्र और चेन लूटने तथा उसे धमकाकर घर से भी जेवर मंगवाने की वारदात कबूल की। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटे गए जेवर, एक मोटरसाइकिल, दो अवैध तमंचे, जिंदा कारतूस और खोखा कारतूस बरामद किए हैं। जांच में यह भी सामने आया कि गिरफ्तार बदमाश अंतरजनपदीय गिरोह के सदस्य हैं। इनके खिलाफ कानपुर, हमीरपुर, जालौन और कासगंज समेत कई जिलों में लूट, चोरी और अन्य गंभीर अपराधों के अनेक मुकदमे दर्ज हैं।

जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम के बिना नहीं चल सकेंगे स्कूली वाहन : एआरटीओ

बलिया, 30 जून (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के बलिया में स्कूल वाहनों के सुरक्षा मानकों पर एआरटीओ ने सख्त तेवर अपनाए हैं। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक वाहन में सीसीटीवी कैमरा, जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम, पैनिक बटन, स्पीड गवर्नर, फर्स्ट एड बॉक्स और अग्निशमन यंत्र सुचारु रूप से कार्यरत होने चाहिए। गर्मियों की छुट्टियां खत्म होने को हैं। बच्चे अब स्कूलों का रुख करेंगे। ऐसे में आगामी शैक्षणिक सत्र और छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एआरटीओ अरुण कुमार राय ने जिले के सभी स्कूल संचालकों को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि स्कूलों में संचालित सभी वाहनों के आवश्यक प्रपत्र जैसे परमिट, फिटनेस और बीमा पूरी तरह वैध होने चाहिए। साथ ही सभी वाहनों का विवरण यूपी आईएसबीएनपी पोर्टल पर अद्यतन रखा जाए। एआरटीओ ने कहा कि स्कूल वाहनों के लिए निर्धारित सभी सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी वाहन चालकों एवं परिचालकों के ड्राइविंग लाइसेंस और चरित्र का सत्यापन कराया जाए। जिन स्कूल वाहनों के दस्तावेज अधूरे हैं या निर्धारित सुरक्षा मानक पूरे नहीं हैं, उनका संचालन किसी भी स्थिति में नहीं किया जाए। साथ ही सभी स्कूल वाहन की भौतिक स्थिति की जांच कर आवश्यक मरम्मत कराई जाए, जो वाहन संचालन योग्य नहीं हैं, कंडम हो चुके हैं अथवा 15 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं, उनकी नियमानुसार औपचारिकताएं पूरी कर तत्काल पंजीकरण निरस्त कराया जाए। उन्होंने स्कूल प्रबंधन को यह भी सख्त निर्देश दिए कि किसी भी वाहन में निर्धारित क्षमता से अधिक छात्रों को न बैठाया जाए। यातायात नियमों और सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित स्कूल और वाहन संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

फतेहाबाद: काफिला रुकवाकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को संभाला

फतेहाबाद : राजनीति और वीआईपी प्रोटोकॉल को एक तरफ करते हुए मंगलवार को फतेहाबाद में मानवता की एक बेहद खूबसूरत तस्वीर देखने को मिली। भारतीय जनता पार्टी की नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए न केवल अपना काफिला रुकवाया, बल्कि सडक दुर्घटना में घायल एक बाइक सवार को खुद संभालकर उसे प्राथमिक उपचार दिलवाया। मिली जानकारी के अनुसार, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता अपने काफिले के साथ सिरसा में आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत करने जा रही थीं। उनके साथ फतेहाबाद के बीजेपी जिलाध्यक्ष प्रवीन जोड़ा भी मौजूद थे। जैसे ही उनका काफिला फतेहाबाद बाईपास के नजदीक पहुंचा, तभी सामने एक बाइक सवार अचानक असंतुलित होकर सडक पर गिर गया। हादसा इतना गंभीर था कि बाइक सवार को काफी चोटें आई। डॉ. अर्चना गुप्ता ने दुर्घटना को देखते ही तुरंत अपने काफिले को रुकवा दिया। सुरक्षा और प्रोटोकॉल की परवाह न करते हुए वे गाड़ी से नीचे उतरीं और जिलाध्यक्ष प्रवीन जोड़ा व अन्य कार्यकताओं के सहयोग से घायल व्यक्ति को संभाला।

न्यूज IN ब्रीफ

हूल दिवस पर सिधो-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण कर दी गई श्रद्धांजलि

उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने महान वीर शहीदों के बलिदान को किया नमन

लोहरदगा : हूल दिवस के अवसर पर आज समाहरणालय परिसर लोहरदगा में उपायुक्त संदीप कुमार मीना और पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी सहित जिला प्रशासन के पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा महान स्वतंत्रता सेनानी वीर शहीद सिधो-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि सिधो-कान्हू ने अन्याय, शोषण एवं ब्रिटिश शासन के विरुद्ध समाज को संगठित कर ऐतिहासिक हूल आंदोलन का नेतृत्व किया। उनका साहस, त्याग और बलिदान आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। हूल दिवस हमें अपने वीर शहीदों के संघर्ष, स्वाभिमान एवं राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को स्मरण करने का अवसर प्रदान करता है।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी, उप विकास आयुक्त राज महेश्वरम, पीडी आइटीडीए सुषमा नीलम सोरेंग, उप निर्वाचन पदाधिकारी संजय कुमार, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार, एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शिवनन्दन बड़ाईक, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अंगरनाथ स्वर्णकार, जिला पंचायत राज पदाधिकारी अंजना दास समेत अन्य पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

लाखों रुपयों का गांजा किया जब्त, छिनतई गैंग का भी भंडाफोड़

धनबादः बलियापुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक ही दिन दो बड़ी सफलताएं हासिल की। पहली कार्रवाई में 16 किलो गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया, जबकि दूसरी कार्रवाई में चोरी और छिनतई की वारदातों को अंजाम देने वाले चार सदस्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए आठ चोरी के मोबाइल, दो बाइक, सोने के आभूषण और अन्य सामान बरामद किया गया। दोनों मामलों में पुलिस ने अलग-अलग कांड दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पहली कार्रवाई में रविवार रात गश्ती के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि रखितपुर रेलवे गुमटी के पास दो संदिग्ध व्यक्ति गांजा लेकर जा रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बलियापुर-झरिया मुख्य सड़क स्थित हनुमान मंदिर के पास दोनों को रोक लिया। पूछताछ के दौरान दोनों ने बैग में गांजा होने की बात स्वीकार की। सिंदरी एसडीपीओ चंद्र प्रकाश महतो की मौजूदगी में तलाशी लेने पर दोनों बैगों से कुल 16 पैकेट में लगभग 16 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने विकास कुमार और श्यामाकांत सिंह को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया।

इसी क्रम में पुलिस ने बेलगड़िया फेज-2 स्थित तीन तल्ला पानी टंकी के पीछे झाड़ियों में चोरी के सामान का बंटवारा किए जाने की गुप्त सूचना पर छापेमारी की। मौके से सुमित कुमार निशाद, शहबाज अंसारी उर्फ छोटू अंसारी, रोहित कुमार रजक और रवि बाउरी को गिरफ्तार किया गया।

चोरी का सामान बरामद

गिरफ्तार आरोपियों के पास से आठ चोरी के स्मार्टफोन, दो होंडा शाइन मोटरसाइकिल, सोने जैसे पीली धातु के आभूषण, चेन, एक्साइड बैटरी, माइक्रोटेक इंवर्टर और सोने का मंगलसूत्र बरामद किया। पूछताछ में आरोपियों ने शहर के विभिन्न इलाकों में चेन, मोबाइल, लैपटॉप और पर्स की छिनतई व चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की है।

गांजा बरामदगी के मामले में बलियापुर थाना कांड संख्या 111/2026 दर्ज किया गया, जबकि छिनतई गिरोह के खिलाफ थाना कांड संख्या 110/2026 में भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 317(4), 112 और 3(5) के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस का कहना है कि दोनों मामलों में पूछताछ जारी है और इससे कई अन्य घटनाओं का भी खुलासा होने की संभावना है।

गढ़वा में सैकड़ों छात्राओं के बीमार होने पर एक्शन में शिक्षा विभाग

गढ़वाः जिले के खरौंधी कस्तूरबा स्कूल में सैंकड़ों छात्राओं के बीमार होने के मामले में शिक्षा विभाग ने विद्यालय प्रबंधन को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी की जांच रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि जिस दिन यह घटना घटी, उस दिन रसोइया के द्वारा छात्राओं को पानी के लिए तरसाया गया। उन्हें गर्म पानी पीने के लिए मजबूर किया गया लेकिन छात्राओं ने इसका विरोध किया और छात्राओं ने सिर्फ खाना खाया लेकिन पानी नहीं पीया क्योंकि जिस रूम में चापाकल था, उस रूम को रसोइया ने बंद कर दिया था, जिसके चलते यह घटना घटी।

जिसके बाद डीसी के निर्देश पर जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा वॉर्डन, दो शिक्षक, गार्ड और रसोइया को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। वहीं स्कूल में तोड़फोड़ करने एवं स्कूल से सामान ले जाने के मामले में नौ नामजद और 250 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी एवं प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी को भी इस घटना के लिए जिम्मेदार मानते हुए उनके वेतन निकासी पर रोक लगा दी गई है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि, जो घटना घटी है, उसके लिए माफी नाम की कोई चीज नहीं है। बच्चों को खाना खिलाकर पानी नहीं दिया गया, जिस रूम में चापाकल था, उस रूम में ताला जड़ दिया गया, यह बहुत गंभीर मामला है, जिसके बाद डीसी के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है।

वहीं इस पूरे मामले पर डीसी ने कहा कि 27 जून को खरौंधी कस्तूरबा विद्यालय में, जो घटना घटी है, उसमें बच्चियों से पूछताछ के बाद यह मामला सामने आया था कि रसोइया पानी पीने के लिए मना करती है, कुछ छात्राओं ने चापाकल में ताला लगाने की बात भी बताई थी, जो बेहद गंभीर मामला है। हमने इस मामले में पांच लोगों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। पानी के लिए उचित व्यवस्था करने के लिए निर्देशित कर दिए गए है। तोड़फोड़ मामले में कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। प्राथमिकी भी दर्ज की गई है।

नगर परिषद चक्रधरपुर में स्वनिधि महोत्सव का आयोजन

अध्यक्ष सन्नी उरांव एवं उपाध्यक्ष विजय कुमार साव ने लाभुकों से योजना का लाभ लेने की अपील की

संवाददाता

चक्रधरपुर : आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार तथा नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड, रांची से प्राप्त निर्देश के अनुपालन में नगर परिषद चक्रधरपुर के सभागार में स्वनिधि महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर परिषद के माननीय अध्यक्ष, सभी वार्ड पार्षदगण, विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक तथा नगर परिषद के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाना, पात्र रेहड़ी-पटरी दुकानदारों को योजना से जोड़ना तथा बैंकिंग प्रक्रिया को सरल बनाकर अधिक से अधिक लाभुकों तक योजना का लाभ पहुंचाना था। इस दौरान योजना के तहत ऋण सुविधा, डिजिटल भुगतान, समय पर ऋण अदायगी तथा अन्य प्रोत्साहन संबंधी जानकारी भी दी गई।

इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव ने कहा कि ₹प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना छोटे दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। नगर परिषद का प्रयास है कि प्रत्येक पात्र लाभुक इस योजना का लाभ उठाए। इसके लिए सभी वार्डों में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा तथा बैंक और नगर परिषद मिलकर लाभुकों को हर संभव सहयोग प्रदान करेंगे। वहीं नगर परिषद उपाध्यक्ष विजय कुमार साव ने कहा कि ₹स्वनिधि योजना छोटे व्यवसायियों के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम है। बिना गारंटी ऋण की सुविधा से हजारों परिवारों को स्वरोजगार को बढ़ावा मिल रहा है। सभी पात्र दुकानदार आगे आएं और इस योजना का लाभ लेकर अपने व्यवसाय को मजबूत करें।

कार्यक्रम में विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधकों ने भी योजना से संबंधित जानकारी साझा की तथा पात्र लाभुकों को शीघ्र ऋण उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। अंत में सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं बैंक अधिकारियों ने अधिक से अधिक लाभुकों को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से जोड़ने का संकल्प लिया।

7वीं झारखंड योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2026 में चित्रा साह ने जीता प्रथम स्थान

संवाददाता

चक्रधरपुर : चित्रा शाह का चयन 18 जून को मधुसूदन पब्लिक स्कूल, चक्रधरपुर में हुए जिला स्तरीय प्रतियोगिता के माध्यम से किया गया था।

उसके बाद 26 जून से 28 जून 2026 तक नेतरहाट आवासीय विद्यालय में आयोजित 7वीं झारखंड योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिपझ2026 में पश्चिम सिंहभूम की प्रतिभागी चित्रा साह ने सीनियर (35झ45 वर्ष आयु वर्ग) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया।

इस उपलब्धि पर वेस्ट सिंहभूम जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव दीपक पासवान ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि चित्रा साह की यह सफलता जिले के अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है तथा इससे योगासन खेल के प्रति युवाओं का उत्साह बढ़ेगा।

इस अवसर पर संघ के संरक्षक विनोद भगोरिया, अध्यक्ष विकास रवि, सचिव दीपक पासवान, राहुल साहू, देवी लाल महतो एवं उत्तम कुमार साहू ने चित्रा साह को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

साथ ही मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र के माननीय विधायक जगत माझी ने भी चित्रा साह को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की ऐसी उपलब्धियाँ क्षेत्र के युवाओं को खेल एवं योगासन के प्रति प्रेरित करती हैं तथा जिले का गौरव बढ़ाती हैं।

दो आरोपियों की जमानत अर्जी रद्द

जमशेदपुरः मानगो के उलीडीह में विक्की सिंह पर फायरिंग करने के आरोपी विकास महतो और कृष्णा सिंह की जमानत अर्जी अपर जिला सत्र न्यायाधीश की अदालत से रद्द हो गई। बताया जाता है कि मार्च में आपसी विवाद के कारण विकास महतो और कृष्णा सिंह ने विक्की सिंह पर हत्या की नीयत से गोली चलाई थी।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाते हुए 'सेविका,सहिया व आशा दीदी

टंडवा : पूरे देश में चलाए जा रहे राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत पोलियो मुक्त भारत को सफल बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत रविवार 28 जून को टंडवा प्रखंड के बरकुटे बूथ में किया गया। यह अभियान 28 से 30 जून तक तीन दिनों तक संचालित है। अभियान के तहत 0- 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

अभियान के पहले दिन में बरकुटे सोपारम में बनाए गए पोलियो बूथों पर बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाई गई। वहीं दूसरे और तीसरे दिन महिला एवं बाल विकास विभाग की कर्मी आंगनबाड़ी सेविका तथा स्वास्थ्य विभाग की टीम पोषण सखी,सहिया दीदी घर-घर जाकर उन बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी, जो किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच पाए हैं। इस अभियान के तहत सोमवार को दूसरे दिन में भी उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। इस अभियान के तहत अंतिम दिन मंगलवार को भी डोर टू-डोर जारी रहेगी। वहीं समाजसेवी उमेश प्रसाद एवं प्रखंड चिकित्सा प्रभारी सुदिव्य ने प्रखंड वासियों से इस अभियान के तहत 0-5 वर्ष वाले बच्चों को पिलाने को लेकर अपील किये है।

करसो कैलहर जंगल से युवती का अधजला शव बरामद

पलामू : जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत करसो कैलहर जंगल में एक अज्ञात युवती का अधजला शव बरामद होने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। शव की स्थिति को देखकर स्थानीय लोगों में दहशत और तरह-तरह की चचाएं हैं। घटना की सूचना मिलते ही चैनपुर थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हत्या कर साक्ष्य मिटाने की आशंका

प्रार्भिक जांच में यह मामला संदिग्ध और सुनियोजित हत्या का प्रतीत हो रहा है। आशंका जताई जा रही है कि युवती की किसी अन्य स्थान पर हत्या की गई और पहचान छिपाने तथा साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को करसो के घने जंगल में लाकर जलाने का प्रयास किया गया। पुलिस घटनास्थल के आसपास से पैरों के निशान, संदिग्ध वस्तुएं और वाहन के टायर के निशान सहित अन्य साक्ष्य जुटाने में लगी है।

पहचान की कोशिश में जुटी पुलिस

फिलहाल मृतका की पहचान नहीं हो सकी है, जो पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। इसके लिए आस-पास के सभी थानों और सीमावर्ती जिलों से पिछले कुछ दिनों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों की जांच की जा रही है। साथ ही तकनीकी सेल और स्थानीय मुखबिरों की मदद भी ली जा रही है।पुलिस के अनुसार, मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण और समय को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस ने जल्द ही मृतका की पहचान कर मामले का खुलासा करने का भरोसा जताया है।

एसआईआर को लेकर देवघर और रामगढ़ में आयोजित हुई बैठक

सफल क्रियान्वयन के लिए डीसी ने दिए जरूरी दिशा-निर्देश

संवाददाता

देवघर/रामगढ़ः जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के सफल संचालन और क्रियान्वयन को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिले के विभिन्न मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए राजनीतिक दलों से सहयोग की अपील

बैठक के दौरान उपायुक्त ने मतदाता सूची पुनरीक्षण से जुड़े विभिन्न तकनीकी, प्रशासनिक और व्यावहारिक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की तथा पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए राजनीतिक दलों से सहयोग की अपील की। इसके अलावा बैठक को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने समय सीमा पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नया नाम दर्ज कराने, अशुद्धियों को सुधारने या नाम बनाए रखने के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। उन्होंने जिले के तमाम नागरिकों और विशेषकर पहली बार वोटर बनने जा रहे युवाओं से अपील की कि वे इस निर्धारित समयावधि के भीतर अपना गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) अनिवार्य रूप से भरें। आगे उपायुक्त ने साफ किया कि समय पर गणना प्रपत्र भरने से ही पात्र नागरिकों का नाम प्रारूप मतदाता सूची-2026 में शामिल किया जा सकेगा। इसके साथ ही, जो लोग पहले से मतदाता हैं, वे भी यह सुनिश्चित कर लें कि उनका नाम सूची में सुरक्षित बना रहे। इसके उन्होंने कहा कि

एक-एक पात्र मतदाता का नाम जोड़ना प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि कोई भी नागरिक अपने लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित न रहे।

वैध वोटरों के नहीं हटेंगे नाम

वहीं बैठक में मौजूद राजनीतिक दलों ने भी अपनी शंकाओं और समस्याओं को पदाधिकारी के सामने रखा। जिस पर पदाधिकारी ने आश्वस्त किया कि जो वैध पात्र हैं, वैसे वोटरों का नाम नहीं हटाया जायेगा। मतदाता पुनर्निरक्षण की प्रक्रिया को लेकर मधुपुर, मागोमुंडा, सारठ, पालाजोरी, करमाटांड के वॉलिंटियर्स ऑन को भी विशेष दिशा निर्देश दिए गए है। फील्ड वर्क, तकनीकी बारीकियां और मतदाताओं के नाम जोड़ने एवं सुधारने के प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई।

सीखी गई बातों का अनुपालन करें वॉलिंटियर्स

सभी वॉलिंटियर्स को निर्देश दिया गया है कि प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई बातों का अनुपालन करते हुए पूरी निष्ठा के साथ एसआईआर की प्रक्रिया को पूरा करें। इस बैठक में जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी सागरी बराल, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी, सहित निर्वाचन कार्यालय के अन्य अधिकारी और विभिन्न राजनीतिक दलों के सम्मानित प्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

वहीं रामगढ़ जिले में मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से 30 जून से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) अभियान की शुरूआत होगी। इस अभियान के तहत 29 जुलाई तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) प्रत्येक मतदाता के घर पहुंचकर गणना प्रपत्र उपलब्ध कराएंगे और उसे भरवाकर प्राप्त करेंगे। इस दौरान मतदाताओं से किसी प्रकार का दस्तावेज नहीं लिया जाएगा।

सोमवार को समाहरणालय स्थित एनआईसी सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ऋतुराज ने बताया कि हर मतदाता को गणना प्रपत्र की दो प्रतियां दी जाएंगी। एक प्रति भरकर बीएलओ को जमा करनी होगी जबकि दूसरी प्रति रसीद के रूप में मतदाता को वापस दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य से बाहर रह रहे छात्र, प्रवासी श्रमिक अथवा अन्य अनुपस्थित मतदाता भी अपने परिवार के किसी वयस्क सदस्य या ईसीआईनेट (एउक्तएळ) पोर्टल के माध्यम से यह प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

उपायुक्त ने बताया कि सत्यापन की प्रक्रिया 5 अगस्त से 3 अक्टूबर तक चलेगी। इस दौरान केवल चिन्हित मतदाताओं से आवश्यक दस्तावेज मांगे जाएंगे, जिन मतदाताओं का नाम पूर्व विशेष पुनरीक्षण सूची में दर्ज है, उन्हें कोई अतिरिक्त दस्तावेज देने की जरूरत नहीं होगी जबकि नए अथवा सूची में शामिल नहीं रहे मतदाताओं को आयोग द्वारा निर्धारित दस्तावेजों में से किसी एक की स्व-अभिप्रमाणित प्रति देनी होगी।

उन्होंने बताया कि 5 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित होगी। इसके बाद 5 अगस्त से 4 सितंबर तक दावा एवं आपत्तियां स्वीकार की जाएंगी और सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद 7 अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची जारी की जाएगी। जिले के दोनों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 7,55,455 मतदाता हैं। इनमें से 6,16,585 मतदाताओं की मैपिंग पूरी हो चुकी है, जो 81।62% है जबकि 1,38,870 मतदाताओं का कार्य अभी बाकी है।

अभियान को लेकर 30 जून को सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ और बूथ लेवल एजेंट (बीएलए-2) की बैठक आयोजित होगी। इस दौरान निर्वाचन आयोग की ओर से उपलब्ध कराई गई प्रचार सामग्री का वाचन किया जाएगा और सोशल मीडिया पर व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसमें ईएलसी सदस्य, मतदाता, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न राजनीतिक दलों के बूथ स्तरीय प्रतिनिधि भी भाग लेंगे।

उपायुक्त ने बताया कि अभियान के दौरान सभी संबंधित अधिकारी और कर्मी ईसीआईनेट मोबाइल ऐप का उपयोग करेंगे, जिससे पुनरीक्षण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और प्रभावी बन सकें। उन्होंने जिले के सभी मतदाताओं से इस अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी जानकारी या सहायता के लिए मतदाता हेल्पलाइन 1950, ईसीआईनेट पोर्टल और मोबाइल ऐप का उपयोग किया जा सकता है।